संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-175 ◆ रायपुर, बुधवार 27 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई फैसले

राजनीतिक प्रकरणों के 54 मामले होंगे निरस्त

हाउसिंग बोर्ड के फ्री-होल्ड किए गए आवासीय भूखंडों पर नहीं लगेगा शुल्क

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. मंत्रिपरिषद की उप समिति द्वारा अनुशंसित 54 राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों को न्यायालय से वापस लेने के लिए आगामी कार्यवाही करने का फैसला लिया गया. छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा फ्री-होल्ड किए गए आवासीय भूखण्डों के लिए व्यपवर्तन शुल्क एवं अर्थदण्ड से छूट प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया. मंत्रिपरिषद ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को वितरण के लिए नागरिक आपूर्ति निगम को आवश्यक चना उपार्जन NeML ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जाने की अनुमति दी है. खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में राज्य में मक्का फसल तथा

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान अंतर्गत दलहन-तिलहन और रबी विपणन मौसम 2025-26 में चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन के लिए नेफेड एवं एनसीसीएफ को प्रोक्योरमेंट एजेंसी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया.

छत्तीसगढ़ के किसानों को नवीन उन्नत किस्म के बीजों की उपलब्धता उचित मूल्य पर सुनिश्चित करने के लिए मंत्रिपरिषद ने आज महत्वपूर्ण फैसला लिया. इसके तहत भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं में इम्पैनल्ड सेंट्रल नोडल सीड एजेंसी से आवश्यकतानुसार सीधे बीज क्रय किया जा सकेगा. इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को छत्तीसगढ़ राज्य भंडार क्रय नियम 2002 के नियम 4 में छूट देने का निर्णय लिया गया.

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य जल विद्युत परियोजना (पम्प स्टोरेज आधारित) स्थापना नीति 2023 में परियोजना विकासकर्ता को वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करने की तिथि से प्रथम पांच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 01 लाख रूपए प्रति मेगावाट की दर से लिए जाने वाले हरित ऊर्जा विकास शुल्क को समाप्त करने का निर्णय लिया. हरित ऊर्जा शुल्क में प्रत्येक पांच साल के बाद 25 प्रतिशत की वृद्धि का भी प्रावधान था, इसे भी समाप्त कर दिया गया है. इससे राज्य में जल विद्युत परियोजनाओं एवं ग्रीन एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा. मंत्रिपरिषद ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाओं को केन्द्रीकृत किये जाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग को अधिकृत किया है.

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ राज्य में हाउसिंग एण्ड अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (हुडको) से आवास, नगरीय विकास एवं अन्य क्षेत्रों में सहायता प्राप्त करने समझौता ज्ञापन के प्रारूप का अनुमोदन किया. गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य को हुडको द्वारा आगामी 5 वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए तक की वित्तीय सहायता, परामर्श, क्षमता विकास सेवाएं प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है. कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल अब तक तथा भविष्य में प्राप्त होने वाली भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तित करने पर राज्य शासन द्वारा लागू व्यपवर्तन शुल्क प्रीमियम, अर्थदण्ड एवं भू-राजस्व के पुन: निर्धारण से छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया.

इससे हाउसिंग बोर्ड के मकान क्रेताओं को लाभ होगा. मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा फ्री-होल्ड किए गए आवासीय भूखण्डों के लिए व्यपवर्तन शुल्क एवं अर्थदण्ड से छूट प्रदान करने का निर्णय लिया है.

पीएम मोदी के दौरे से पहले चंडीगढ़ में धमाके

सुरक्षा पर बढ़ा दबाव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 3 दिसंबर को प्रस्तावित दौरे से पहले चंडीगढ़ के सेक्टर-26 में मंगलवार सुबह हुए धमाकों ने शहर की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेविले बार एंड लाउंज और डि'ओरा क्लब के बाहर हुए इन धमाकों ने दहशत का माहौल पैदा कर दिया। हालांकि, इन घटनाओं में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन क्लब के बाहर लगे शीशे टूट गए। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमला करने वाले युवक बाइक पर सवार थे। विस्फोट में देसी बमों का इस्तेमाल किया गया, जिनमें कील और ज्वलनशील पदार्थ

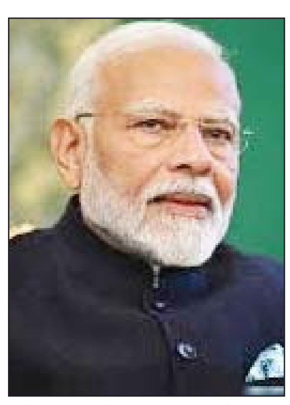

भरे हुए थे। पुलिस ने इसे एक्सटॉर्शन या दहशत फैलाने की मंशा से किया गया हमला मानते हुए जांच तेज कर दी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें सुबह 3:15 बजे एक व्यक्ति को क्लब की ओर बम जैसा पदार्थ फेंकते हुए देखा गया। धमाका करने के बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर भाग निकला। क्लब के सुरक्षा गार्ड पूर्ण सिंह के अनुसार, हमलावरों में एक बाइक पर रुका था, जबकि दूसरा युवक विस्फोटक फेंक रहा था। धमाके के बाद आरोपियों ने गार्ड को धमकाया और तुरंत फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार, सेविले बार एंड लाउंज और डि'ओरा क्लब के बीच महज 30 मीटर की दूरी है। हमलावरों ने पहले एक क्लब और फिर दूसरे क्लब के बाहर बम फेंका। घटनास्थल पर दोनों क्लब बंद थे, जिससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से कुछ दिन पहले हुए इस धमाके ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पहले से अलर्ट पर चल रही पुलिस अब मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की सुरक्षा टीम जल्द ही चंडीगढ़ पहुंचेगी। शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस ने संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है।

राष्ट्रपति ने किया संस्कृत और मैथिली में संविधान के संस्करण का विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के संविधान को अंगीकार किए जाने का यह 75वां वर्ष है। मंगलवार को संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। इस अवसर पर संविधान दिवस का एक विशेष कार्यक्रम संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के सेंट्रल हॉल में आयोजित किया गया। यहां राष्ट्रपति ने संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 75 रुपये का एक विशेष सिक्का जारी किया। इस दौरान एक डाक टिकट भी जारी किया गया। यह डाक टिकट संविधान की उन मूल भावनाओं का प्रतीक है जो भारत को एकजुट करती है और हमें आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है। राष्ट्रपति ने मंगलवार 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के

अवसर पर संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है। आज हम सब इस ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बने हैं और साक्षी भी बने हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि 75 वर्ष पहले संविधान सदन के इसी केंद्रीय कक्ष में आज ही के दिन संविधान सभा ने नव स्वाधीन देश के लिए संविधान निर्माण का बहुत बड़ा कार्य संपन्न किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उस दिन संविधान सभा के माध्यम से हम भारत के लोगों ने अपने इस संविधान को अपनाया था। हमारा संविधान हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है।

विस्फोट से तीन मकान ढहे, 2 की मौत

मुरैना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुरैना में हुए विस्फोट की वजह से तीन मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो गए। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि 5 लोग घायल हो गए। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच जोरदार विस्फोट हुआ। इसके साथ ही पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया। जिसमें दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। आशंका जताई जा रही है कि घर में रखे पटाखों में

विस्फोट की वजह से हादसा हुआ हालांकि इसे लेकर पुलिस ने कुछ स्पष्ट नहीं कहा है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने बताया कि आज रात करीब 12:00 बजे मुरैना के राठौड़ कॉलोनी में एक विस्फोट हुआ।

सरकार ने अटल इनोवेशन मिशन को जारी रखने को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने अपनी एक प्रमुख पहल अटल इनोवेशन मिशन को 31 मार्च 2028 तक के लिये 2,750 करोड़ रुपये के बजट के साथ जारी रखने की मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नीति आयोग के तत्वावधान में अपनी प्रमुख पहल, अटल इनोवेशन मिशन को, कार्य के बढ़े हुये दायरे और 31 मार्च, 2028 तक की अवधि के लिये 2,750 करोड़ रुपये के आवंटित बजट के साथ जारी रखने की मंजूरी दे दी। अटल इनोवेशन मिशन विकसित भारत की दिशा में एक कदम है, जिसका उद्देश्य भारत के पहले से ही जीवंत नवाचार और उद्यमिता के वातावरण को विस्तार, मजबूती और गहराई प्रदान करना है।

आज का पंचांग

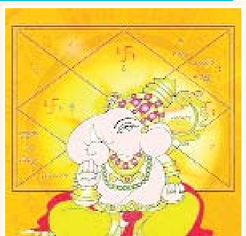

तिथि : द्वादशी
नक्षत्र : चित्रा
प्रथम करण : कौवाला
द्वितीय करण : तैतिल
पक्ष : कृष्ण
वार : बुधवार
योग : आयुष्मान 15:10 तक
सूर्योदय : 06:57
सूर्यास्त : 17:19
चंद्रमा : कन्या
राहुकाल : 12:08 - 13:26
विक्रमी संवत् : 2081
शक संवत : 1946
मास : मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्त अभिजीत : कोई नहीं

एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशि रुइया का निधन

नई दिल्ली। एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशि रुइया का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि रुइया, जिन्होंने अपने भाई रवि के साथ मिलकर धातु से लेकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी एस्सार की स्थापना की थी, का 25 नवंबर को रात करीब 11.55 बजे मुंबई में निधन हो गया। वह करीब एक महीने पहले अमेरिका से लौटे थे, जहां उनका इलाज चल रहा था।

एकनाथ शिंदे ने सीएम पद से दिया इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया। उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फड़णवीस भी मौजूद हैं।राज्यपाल ने अगली सरकार के शपथ लेने तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री नियुक्त किया। इससे पहले 23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पार्टी कार्यकर्ताओं और महाराष्ट्र की जनता का आभार जताया था। महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर एक फेज में 20 नवंबर को वोट डाले गए थे।

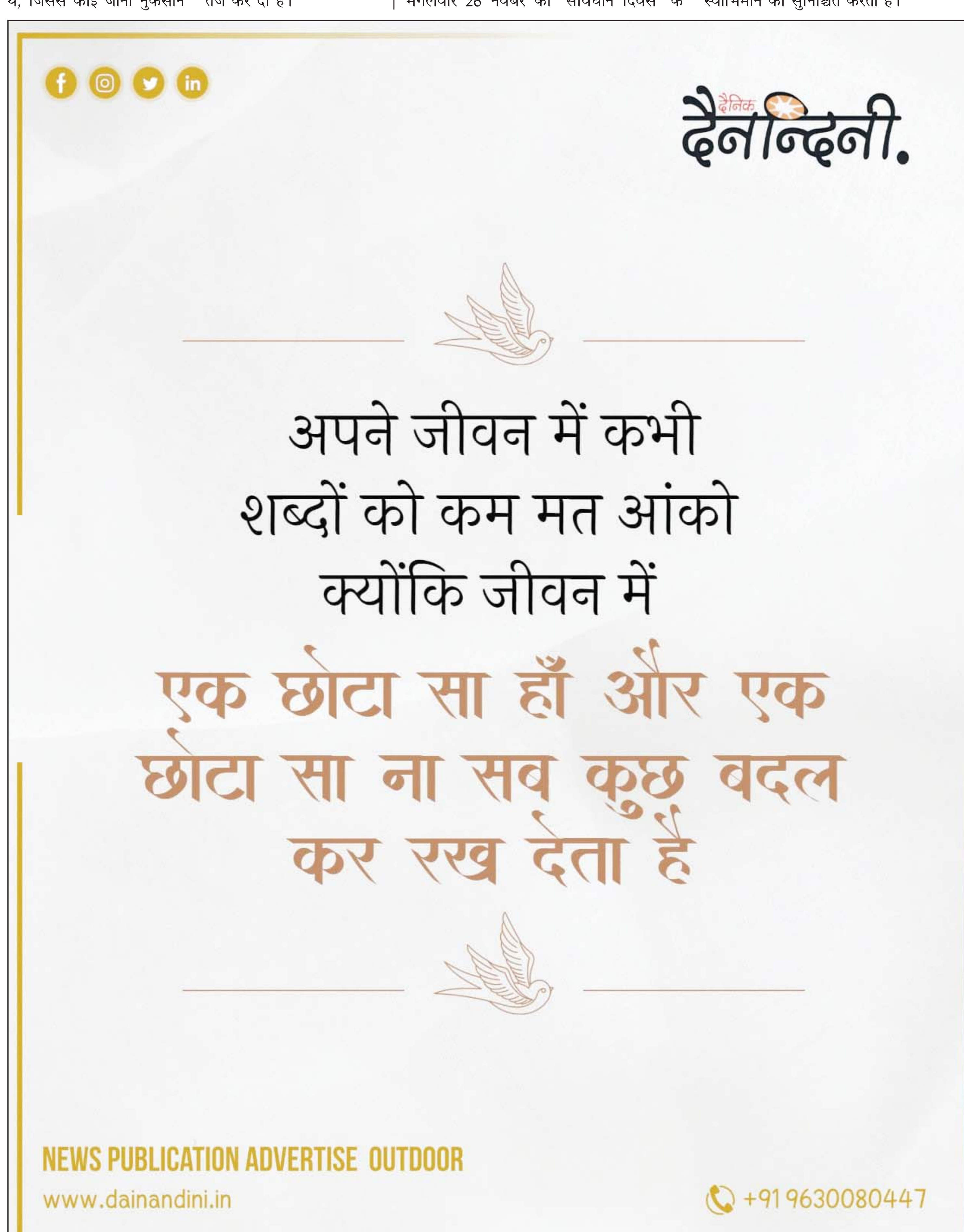

सिंघम अगेन का हिट होने का सपना टूटा

मुंबईः अजय देवगन की हालिया फिल्म 'सिंघम अगेन' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक थी। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिंघम फ्रैंचाइजी की तीसरी कड़ी है और शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है। हालांकि, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वैसा प्रदर्शन नहीं किया जैसा उम्मीद की जा रही थी। अब चौथे सप्ताहांत के बाद भी इसके कलेक्शन में काफी ज्यादा गिरावट नजर आई है।

चौथे वीकएंड में हुई ढेर

फिल्म ने अपनी शुरुआत 43.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ की थी और पहले हफ्ते में 173 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। दूसरे हफ्ते में यह आंकड़ा घटकर 47.5 करोड़ रुपये और तीसरे हफ्ते में 15.56 करोड़ रुपये हो गया। चौथे वीकएंड पर फिल्म ने महज चार करोड़ 15 लाख रुपये की कमाई की, जिसके बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 240.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

सोमवार को खत्म हुई हिट होने की उम्मीद

चौथे सप्ताहांत के बाद फिल्म की कमाई में और गिरावट आई है। सोमवार के दिन, फिल्म मुश्किल से 55 लाख रुपये का कारोबार किया है। इस कमाई के बाद फिल्म का कुल कलेक्शन अब 240.85 करोड़ रुपये तक ही पहुंच सका है। फिल्म के 250 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने के भी आसार अब कम ही नजर आ रहे हैं।

सितारे की चमक रही फीकी

फिल्म में अजय देवगन ने अपने प्रतिष्ठित किरदार बाजीराव सिंघम को फिर से निभाया है। साथ ही, करीना कपूर खान, अर्जुन कपूर, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और टाइगर श्रॉफ जैसे बड़े सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। हालांकि, इस सभी की मौजूदगी भी फिल्म की किस्मत नहीं बदल सकी।

पुष्पा 2 के आने से और धीमी होगी रफ्तार

यह देखना अब दिलचस्प होगा कि फिल्म आगामी हफ्तों में अपने कलेक्शन में सुधार कर पाती है या नहीं, खासकर जब नए हफ्तों में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। बता दें कि 5 दिसबंर को अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 रिलीज होने वाली है, जिसका पूरे देश को बेसब्री से इंतजार है।

अब जाकर खत्म हुई 'पुष्पा 2' की शूटिंग, तय तारीख पर रिलीज होगी कि नहीं

जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए।

मुंबईः साउथ सिनेमा का इस साल के पहले महीने में फिल्म 'हनुमान' से जैसा हल्ला देश-दुनिया में हुआ, वैसा फिर दोबारा पूरे साल दिखा नहीं है। 'देवरा'में जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर का जादू नहीं चला। 'कंगुवा' में सूर्या और बॉबी देओल दर्शकों को लुभा नहीं पाए। 'मटका' में वरुण तेज, मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही को न तेलुगु में पानी मिला और न ही हिंदी में। ले-देकर तमिल फिल्म 'अमरण' ने ही थोड़ी बहुत लाज बचाई और अब बारी है 'पुष्पा 2' की। इस फिल्म की शूटिंग अब जाकर खत्म हो पाई है। निर्देशक सुकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग शुरू से ही सामान्य गति से नहीं चल पाई। कभी अल्लू अर्जुन और सुकुमार के बीच मतभेद की खबरें आईं। अल्लू अर्जुन के गेट अप बदलने की भी खूब बातें हुई और फिर दोनों अलग अलग छुट्टियां मनाने विदेश तक चले गए। किसी तरह मामला सुलटा तो पता चला कि फिल्म के विलेन फहद फासिल की तारीखें ही नहीं मैच हो रही हैं। इसी चक्कर में इस साल 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म अब दिसंबर में रिलीज होना तय हुई है। फिल्म का प्रचार शुरू हो चुका है। अल्लू अर्जुन पटना और चेन्नई में फिल्म के ट्रेलर और गाने लेकर घूम आए हैं। फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी के साथ-साथ और भी कई संगीतकार हाथ आजमाने आए हैं।

इस सबके बीच निर्देशक सुकुमार फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म का जो आइटम गाना श्री लीला पर फिल्माया गया है, उसका असर समांथा के गाने 'ऊ अंटावा' जैसा बिल्कुल नहीं है। ये गाना तुरत फुरत में फिल्माया गया है और फिल्म के तमाम दृश्यों का पैचवर्क भी निकलता रहा है।जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। पैचवर्क की शूटिंग लगातार बढ़ते जाने के बीच चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए। लेकिन, सोमवार की देर रात शूटिंग का फुटेज देखने के बाद फिल्म की टीम की जो मीटिंग हुई है, उसके मुताबिक फिल्म अपनी तय तारीख 5 दिसंबर को ही रिलीज होगी। निर्देशक सुकुमार ने वादा किया है कि वह महीने के आखिर तक फिल्म की पहली कॉपी सेंसर को दे देंगे।

सलमान की सेहत पर सुरक्षा इंतजामों का बुरा असर

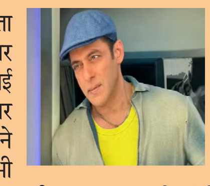

मुंबईः फिल्म अभिनेता सलमान खान की सेहत पर उनके चारों तरफ बढ़ाई गई अतिरिक्त सुरक्षा का असर दिखने लगा है। वह अपने पनवेल फार्म हाउस पर भी खेती किसानी का काम अब नहीं कर पा रहे हैं और न ही सुबह उठकर कहीं भी लंबी सैर के लिए निकल रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग के बाद से उनका वजन करीब ढाई किलो बढ़ चुका है और इसके चलते उनकी नई फिल्मों की शूटिंग शेड्यूल पर भी इसका असर दिख रहा है।

फिल्म 'करण अर्जुन' की स्पेशल स्क्रीनिंग रद्द

मुंबई पुलिस के सूत्र बताते हैं कि बीते शुक्रवार फिर से रिलीज हुई फिल्म 'करण अर्जुन' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए इसके निर्देशक राकेश रोशन ने तैयारियां की थीं। इस खास स्क्रीनिंग के लिए राकेश रोशन फिल्म के दोनों हीरो सलमान खान और शाहरुख खान को एक साथ लाना चाहते थे। इस बारे में दोनों से बात भी की गई लेकिन मुंबई पुलिस की अनुमति न मिलने के चलते ये स्क्रीनिंग रद्द कर दी गई।

सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रहने को कहा

जानकारी के मुताबिक सलमान खान को मुंबई में किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम से दूर रहने को कहा गया है। माना जा रहा है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कुछ गुर्गे अब भी मुंबई में सक्रिय हैं। इस बात को लेकर भी खास एहतियात बरती जा रही है कि सलमान के आते-जाते उनके काफिले के साथ कौन-कौन सी गाड़ियां नियमित रूप से रहती हैं और कहीं कोई व्यक्ति या वाहन उनका पीछा तो नहीं कर रहा। आसूचना ब्यूरो की एक इकाई खास रूप से सलमान खान और उनके घर से कुछ ही दूरी पर स्थित शाहरुख खान के घर के बीच लगातार सक्रिय है।

सलमान के साथ शाहरुख की भी सुरक्षा बढ़ी

शाहरुख खान के लिए मुंबई में सुरक्षा व्यवस्था खासी चौकस रखी गई है। इसका खुलासा भी फिल्म 'करण अर्जुन' की स्पेशल स्क्रीनिंग में उनकी मौजूदगी को मंजूरी न मिलने के बाद हुआ है। शाहरुख खान को उनके घर मन्नत से निकलने के बाद से लगातार पुलिस निगरानी में रखा जा रहा है। इसके चलते मुंबई में रहने पर उनका भी घर से निकलना बहुत सीमित हो चुका है। आखिरी बार वह फिल्म 'मुफासा' की डबिंग के लिए ही सार्वजनिक रूप से लोगों को नजर आए थे।

सलमान की सेहत पर होने लगा असर

सलमान खान बहुत ज्यादा बंधकर रहने के आदी कभी नहीं रहे हैं और टाइम बेटाइम उनका मुंबई की गलियों में घूमना हाल के दिनों तक लगा रहा है।

'इफ्फी' में छाई बोमन ईरानी की निर्देशन में बनी 'द मेहता बॉयज', एशिया प्रीमियर पर मिली जबर्दस्त सराहना

मुंबई : बोमन ईरानी की निर्देशन में बनी फिल्म 'द मेहता बॉयज' को 55वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में एशिया प्रीमियर के दौरान जबर्दस्त सराहना मिली। यह फिल्म एक पिता-पुत्र के रिश्ते की जटिलताओं बखूबी प्रस्तुत करती है। प्राइम वीडियो की ओरिजिनल फिल्म द मेहता बॉयज ने आज (25 नवंबर) 55वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में अपने एशिया प्रीमियर के दौरान दर्शकों से खूब वाहवाही बटोरी। फिल्म ने अपने वास्तविक और दिलचस्प अंदाज में पिता-पुत्र के रिश्ते को इस प्रकार प्रस्तुत किया कि यह सभी दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ गई। 'द मेहता बॉयज' ईरानी मूवीटोन एलएलपी और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट एलएलपी के बैनर तले बनी है। यह बोमन ईरानी की पहली निर्देशित फिल्म है।

प्राइम वीडियो पर जल्द होगी रिलीज

फिल्म में बोमन ईरानी के साथ-साथ अविनाश तिवारी, श्रेया चौधरी और पूजा सारुप जैसे शानदार कलाकार भी हैं। इस फिल्म का निर्माण बोमन ईरानी, दानिश ईरानी, विकेश भूटानी और शुजात सौदागर ने किया है। बोमन

और अलेक्जेंडर डिनेलारिस जूनियर ने इसे लिखा है। यह फिल्म जल्द ही प्राइम वीडियो पर 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर होगी।

कुछ ऐसी है फिल्म की कहानी

'द मेहता बॉयज' एक पिता और पुत्र के बीच के जटिल रिश्ते की कहानी बयां करती है, जिसमें वे पीढ़ियों के अंतर, विभिन्न दृष्टिकोणों और पुरुषत्व की बदलती अवधारणाओं का सामना करते हैं। फिल्म में दो दिनों की यात्रा के दौरान इस रिश्ते में पाए जाने वाली तनाव और प्यार को खूबसूरत अंदाज में पेश किया गया है।

प्राइम वीडियो के निकिल मधोक ने जताई खुशी

प्राइम वीडियो इंडिया ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने फिल्म को लेकर कहा, 'जब हमने इस फिल्म की कहानी पहली बार सुनी, तो हमें इसके सार्वभौमिक परिवार और पहचान जैसे विषय बहुत प्रभावित किए। यह कहानी पिता और पुत्र के बीच के संघर्ष को इस तरह से प्रस्तुत करती है, जो हर किसी से जुड़ी हुई है। बोमन ईरानी एक अद्भुत कहानीकार हैं, और 'द मेहता बॉयज' में बोमन और अलेक्जेंडर डिनेलारिस जूनियर ने जो शक्तिशाली और दिल को छूने वाली कहानी बुनी है, उसमें हमारे अद्भुत कलाकारों, अविनाश, श्रेया, पूजा और बोमन की बेहतरीन अभिनय ने चार चांद लगा दिए हैं। हम इस फिल्म के इफ्फी में गाला प्रीमियर का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहे हैं। हम दर्शकों से मिली सराहना के लिए आभारी हैं।'

बोमन ईरानी ने फिल्म के प्रीमियर पर क्या कहा?

प्रीमियर के दौरान बोमन ईरानी ने कहा, ' द मेहता बॉयज एक ऐसी फिल्म है जिसे हर कोई अपने जीवन से जुड़ा हुआ पाएगा - चाहे आप पिता हों, मां हों, बेटा हो, बेटी हो, बहन हो या भाई। यह एक भावनात्मक फिल्म है, जिसमें बहुत गहराई है। मेरे लिए और फिल्म की पूरी टीम के लिए यह एक अविश्वसनीय पल है और हम सभी बेहद उत्साहित हैं कि हम अपने फिल्म का एशिया प्रीमियर 55वें इफ्फी में कर रहे हैं।'

बोल राधा बोल, संगम होगा कि नहीं, राज कपूर के इस टेलीग्राम का जवाब आया, होगा, होगा होगा

मुंबई : निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' की कहानी बताते हैं कि राज कपूर की साल 1964 में रिलीज उस फिल्म 'संगम' से प्रेरित है, जिसमें काम करने के लिए वह अभिनेत्री वैजयंती माला को मनाने की लगातार कोशिशें कर रहे थे और वैजयंती माला हैं कि लिखापढ़ी में कुछ भी कहने को तैयार ही नहीं। अभिनेता रणबीर कपूर बताते हैं, "फिर दादाजी ने उन्हें एक टेलीग्राम भेजा, 'बोल राधा बोल, संगम होगा कि नहीं।' राधा फिल्म में वैजयंती जी का नाम था। तब वैजयंती माला जी का जवाब आया, 'होगा, होगा, होगा'। ये टेलीग्राम के संदेश बाद में फिल्म का गाना भी बने।" भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, गोवा में अपने दादाजी को याद करते हुए रणबीर कपूर ने उनके मानवीय पहलू की अपनी वो याद भी सुनाई, जब चेंबूर में उनके बंगले पर खेलते हुए रणबीर के पैरों में ढेरों लाल चीटियां लिपट गई थीं। उस समय राज कपूर के घर पर पार्टी चल रही थी, लेकिन रणबीर की चीखें सुनकर राज कपूर पार्टी छोड़कर भागे। वह खुद रणबीर को अपने बाथरूम लेकर गए और खुद ही वे सारी लाल चीटियां साफ कीं।

रणबीर कहते हैं, "मैंने दादाजी की फिल्मों के बारे में उनकी मेकिंग के बारे में दूसरे लोगों से ही सुना क्योंकि छह साल का था मैं जब राज कपूर गुजर गए।" हिंदी सिनेमा की चर्चित फिल्मों 'लव स्टोरी', 'बेताब', 'अर्जुन', 'डकैत' और 'अंजाम' के निर्देशक राहुल रवैल लंबे समय तक राज कपूर के सहायक रहे। उन्होंने अपने इन रिश्तों पर एक किताब भी लिखी है। राहुल के साथ बातें करते हुए रणबीर कपूर काफी सहज नजर आए।

और, इस बातचीत के दौरान रणबीर के कहने पर मंच पर राहुल रवैल का रणबीर के जैसा ही सोफा हटाकर उनके लिए एक बड़ी कुर्सी लाई गई। रणबीर चाहते हैं कि उनके दादाजी के साथ काम करने वालों का स्थान हमेशा उनसे ऊंचा रहे। इन दिनों रणबीर 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में काम कर रहे हैं। फिल्म 'संगम' जैसी कहानी पर बन रही फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर के साथ उनकी पत्नी आलिया और फिल्म 'संजू' में उनके सहयोगी रहे अभिनेता विकी कौशल भी हैं। फिल्म में शाहरुख खान का एक खास रोल होने की भी चर्चाएं हैं। रणबीर कपूर ने इस दौरान खूब किस्से सुनाए। अपने दादाजी की फिल्म 'अनाड़ी' से शैलेंद्र का लिखे अपने पसंदीदा गाने, 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार, किसी का दर्द मिल सके तो ले उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार, जीना इसी का नाम है' का जिक्र किया और ये भी बताया कि उनकी बेटी राहा को जब फिल्मी गाने सुनाने की बारी आई तो सबसे पहले उन्होंने राहा को यही गाना सुनाया।

यूएस में पुष्पा 2 की अडवांस बुकिंग बढ़ी

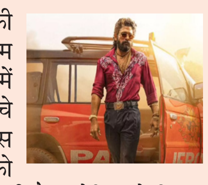

मुंबईः इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज में बस कुछ ही दिन बचे हैं। फिल्म की बॉक्स ऑफिस कमाई को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है. अमेरिका में फिल्म की एडवांस बुकिंग की जानकारी आ गई है. इन्हें देखकर हम मान सकते हैं कि पुष्पा 2 इस साल बड़ी ओपनर हो सकती है। अमेरिका में फिल्म के आंकड़े फिलहाल आरआरआर और जवान से बेहतर हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत पुष्पा 2 5 दिसंबर को रिलीज़ होगी। ट्रेड ट्रैकर वेंकी बॉक्स ऑफिस ने सोमवार को पुष्पा 2 के यूएस प्रीमियर के प्री-ऑर्डर विवरण साझा किए। उन्होंने ट्वीट किया, ''पुष्पा2 द रूल यूएसए प्रीमियर एडवांस बुक बिक गई है।'' नौ दिनों में यह आंकड़ा 1.5 मिलियन डॉलर के करीब पहुंच रहा है। इसका मतलब है कि यह एसएस राजामौली की आरआरआर और युवा शाहरुख खान की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। दोनों फिल्मों ने उत्तरी अमेरिका में 15-15 करोड़ रुपये की कमाई की। ये हैं बॉक्स ऑफिस पर सबसे अच्छी कमाई करने वाली पांच फिल्में। पुष्पा 2 की गति शाहरुख खान की 2023 ब्लॉकबस्टर के समान है। बाहुबली 2 संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय सिनेमा के इतिहास में रिकॉर्ड धारक है। बिक्री लगभग $20 मिलियन थी।

विविध

ऐसे पकवान जिन्हें सर्दी के मौसम में भी टिफिन में ले जा सकते हैं, ठंडे होकर भी लगेंगे बढ़िया

सर्दी के मौसम में कई ऐसे पकवान जो टिफिन में ले जाए जा सकते हैं। ये सभी पकवान ठंडे होकर भी स्वादिष्ट लगते हैं।

नई दिल्ली : सर्दियों का मौसम शुरू होते ही उन लोगों के सामने एक बड़ी समस्या खड़ी हो जाती है, जो लोग टिफिन लेकर जाते हैं या फिर जिनके घर में छोटे बच्चों के लिए टिफिन तैयार किया जाता है। दरअसल, गर्मियों में तो खाने में कुछ भी रख दो, वो गर्म बना ही रहता है। दोपहर तक खाने में हल्की गर्माहट रहती है लेकिन जब सर्दियां आ जाती हैं तो टिफिन में कुछ भी लेकर जाओ वो एकदम ठंडा हो जाता है। जिस वजह से खाना स्वादहीन हो जाता है। कई बार तो समझ ही नहीं आता कि ऐसा क्या बनाकर टिफिन में ले जाएं, जो ठंडा होने के बाद भी स्वादिष्ट बना रहे। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही पकवानों के बारे में बताने जा रहे हैं। ये सभी पकवान न सिर्फ खाने में अच्छे हैं, बल्कि इनका सेवन आप ठंडा होने के बाद भी कर सकते हैं।

पराठा

सर्दियों के मौसम में पराठे की भरमार लग जाती है। इस मौसम में गोभी और मूली भी मिलने लगती हैं। ऐसे में आप आलू, गोभी, पनीर या मूली के पराठे तैयार करके इन्हें टिफिन में ले जा सकते हैं। पराठे खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इन्हें आप चाय लेकर उसके साथ खा सकते हैं।

मसाला पूड़ी

यदि पराठा खाने में नहीं पसंद तो इस मौसम

में नमक, अजवाइन, मिर्च वाली पूड़ी तैयार करें। ये चाय के साथ खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसका सेवन आप सिर्फ अचार और चाय के साथ भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको सब्जी की जरूरत नहीं पड़ेगी।

वेजिटेबल पुलाव

सर्दी के मौसम में कई सब्जियां बाजार में मिलने लगती हैं, जिनको पुलाव में मिलाकर आप इसका स्वाद बढ़ा सकते हैं। वेजिटेबल पुलाव खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। वेजिटेबल पुलाव ठंडा होकर भी खाने में स्वादिष्ट लगता है। इसका सेवन आप चटनी के साथ कर सकते हैं।

ढोकला

यदि आप टिफिन में कुछ हैवी पकवान नहीं लेकर जाना चाहते तो आसान विधि से घर पर ही ढोकला तैयार करें। घर पर ढोकला तैयार करने के बाद इसे चटनी के साथ टिफिन मे ले जाएं। ये भी सर्दी के मौसम में खाने में अच्छा लगता है।

फ्राइड इडली

वैसे तो इडली सांभर गरमागरम ही अच्छी लगती है, लेकिन आप चाहें तो इडली को फ्राई करके टिफिन मे भी लेकर जा सकते हैं। फ्राइड इडली ऐसे ठंडी भी खाने में अच्छी लगती है।

ये दो चीजें कम कर दें खाना तो कई जानलेवा बीमारियों से हो सकता है बचाव

नई दिल्ली : डाइट में गड़बड़ी को सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक माना जाता है। आप जिस तरह की चीजें खाते हैं, उसका सेहत पर सीधा असर होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आपका आहार स्वास्थ और पौष्टिक नहीं है तो इसके कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का जोखिम हो सकता है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर के अधिकतर मामलों के लिए डाइट मे खराबी को हो प्रमुख कारक माना जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने आहार को ठीक रखने की सलाह देते हैं। डॉक्टर कहते हैं, जिस तरह से 30 से कम उम्र के लोग भी ब्लड प्रेशर और शुगर का शिकार हो रहे हैं, इसे ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को अपनी सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की जरूरत है। स्वस्थ रहना है और भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव करना है तो सभी लोगों को दैनिक आहार में दो चीजों की मात्रा बहुत कम कर देनी चाहिए। क्या? आइए इस बारे में जानते हैं।

आहार में गड़बड़ी के कारण होने वाली दिक्कतें

जिन दो चीजों को सेहत के लिए सबसे हानिकारक माना जाता है वह है- नमक और चीनी। इन्हें व्हाइट पॉइजन भी कहा जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप नियमित रूप से इन चीजों का सेवन करते हैं तो समय के साथ हृदय रोग और डायबिटीज

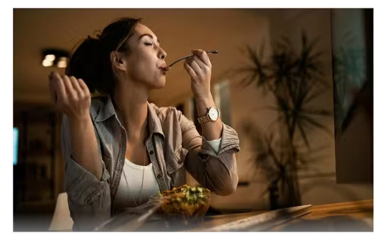

होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। ज्यादा चीनी खाना डायबिटीज का कारक है पर क्या आप जानते हैं कि चीनी और नमक आपके दिल के लिए भी अच्छे नहीं हैं।

यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने आहार से इन दोनों की मात्रा कम करने की सलाह देते हैं।

ज्यादा चीनी खाने से क्या होता है?

चीनी वाली चीजें अधिक खाने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और हाई कैलोरी वाली चीजों को मोटापा और ग्लूकोज को बढ़ाने वाला माना जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि चीनी आपके दिल को सीधे तौर पर प्रभावित नहीं करती है, न ही इससे सीधे तौर पर डायबिटीज होता है। हालांकि चीनी वाली चीजों के अधिक सेवन के कारण वह जोखिम कारक जरूर बढ़ जाते हैं जिससे आपको सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। मिठाइयों, सोडा और सॉफ्ट ड्रिंक में भी शुगर की मात्रा अधिक होती है, ऐसे में इन चीजों का सेवन ज्यादा करते हैं तो इसके कारण भी सेहत पर नकारात्मक असर होने का जोखिम रहता है।

नमक की अधिकता है नुकसानदायक

चीनी की ही तरह से अधिक मात्रा में नमक खाना भी सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। नमक में सोडियम पाया जाता है, ये वैसे तो शरीर के कार्यों के लिए आवश्यक है। पर अधिक मात्रा में अगर आप इसका सेवन करते हैं तो इससे ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। वयस्कों के लिए प्रतिदिन 1500 मिलीग्राम सोडियम के सेवन को पर्याप्त माना जाता है, हालांकि अगर आप अधिक मात्रा में इसका सेवन करते हैं तो दीर्घकालिक रूप में इससे किडनी, लिवर, मेटाबॉलिज्म से संबंधित रोगों का जोखिम हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, हम सभी लोग चीनी और नमक दोनों का रोज सेवन करते हैं, ब्लड प्रेशर और हार्ट के मरीजों के लिए इसे प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। अच्छी सेहत चाहते हैं तो आहार में इन दोनों की मात्रा कम कर दें। बहुत ज्यादा चीनी आपको मोटापे का शिकार बना सकती है, इससे मधुमेह का भी खतरा रहता है। वहीं नमक की अधिकता ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का कारक है। इसलिए जरूरी है कि आप आहार से इन दोनों की मात्रा कम कर दें। क्रोनिक बीमारियों से बचाव के लिए ये बहुत आवश्यक है।

ब्रेड पैटीज़ रेसिपी

नई दिल्ली : स्वादिष्ट खाने की इच्छा हो रही है और उलझन में हैं कि क्या ऑर्डर करें? तो हमारे पास कुछ बहुत ही स्वादिष्ट और आसान है, तो बाहर से स्नैक्स क्यों ऑर्डर करें जब आप उन्हें बिना ज़्यादा मेहनत किए या सामग्री की व्यवस्था करने की चिंता किए घर पर ही बना सकते हैं। ब्रेड पैटीज़ एक आसानी से बनने वाली स्नैक रेसिपी है, जिसे ब्रेड, अंडे, मिर्च और नमक के साथ तैयार किया जा सकता है। यह डिश हर मौसम और हर अवसर के लिए एक बेहतरीन ऐपेटाइज़र है। तो, अगर आप चाय के शौकीन हैं, तो अपनी शाम को मसालेदार बनाने के लिए इस लाजवाब स्नैक को आज़माएँ। ब्रेड पैटीज़ जल्दी से बनकर तैयार हो जाती है और हरी चटनी या केचप के साथ परोसी जाए तो बहुत स्वादिष्ट लगती है। यह स्वादिष्ट रेसिपी टिफिन या रोड ट्रिप या पिकनिक के लिए पैक की जा सकती है। तो, बिना किसी देरी के बस इस आसान रेसिपी को बनाएँ और अपने प्रियजनों को खुश करें। इसे अपने दोस्तों और परिवार के साथ परोसें और इसका आनंद लें! 10 स्लाइस ब्रेड- सफ़ेद 3 अंडे, 1 कप वनस्पति तेल, 5 हरी मिर्च, 2 प्याज़, 1 मुट्ठी धनिया पत्ती, ज़रूरत के अनुसार काली मिर्च, 2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, ज़रूरत के अनुसार नमक

इस रेसिपी को बनाने के लिए, सब्ज़ियों और जड़ी-बूटियों को धो लें, एक चॉपिंग बोर्ड लें और प्याज़, हरी मिर्च और धनिया पत्ती को अलग-अलग काट लें, एक तरफ़ रख दें। इस बीच, ब्रेड स्लाइस को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। आप ब्रेड के किनारे हटाकर ब्रेड को टुकड़ों में काट भी सकते हैं, आप ब्रेड को हाथों से भी तोड़ सकते हैं। एक बड़ा मिक्सिंग बाउल लें, उसमें टूटे हुए ब्रेड के टुकड़े डालें, अंडे तोड़ें और बाकी सामग्री को मिलाएँ और अच्छी तरह मिलाएँ। अब, मिश्रण को छोटे-छोटे बॉल्स का आकार दें और उन्हें धीरे से चपटा करें।

प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर सामने आई डराने वाली रिपोर्ट, डेढ़ लाख से अधिक बच्चों की हो गई मौत

नई दिल्लां : राजधानी दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ महीनों से वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर और बेहद गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का 400 या इससे अधिक बने रहना सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता है। मंगलवार (26 नवंबर) को सुबह करीब 6:30 बजे दिल्ली के कई हिस्सों में एक्यूआई 396 से 400 रिकॉर्ड किया गया।

रोहिणी और विवेक विहार में एक्यूआई 430 से अधिक था। हवा की इस तरह की गुणवत्ता के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के दुष्प्रभावों का खतरा रहता है। वायु प्रदूषण और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य

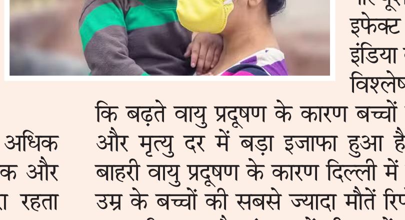

समस्याओं से संबंधित एक अध्ययन की रिपोर्ट काफी डराने वाली है। कोलेब्रेशन फॉर एयर पॉल्यूशन एंड हेल्थ इफेक्ट रिसर्च (कैपहर) इंडिया के साल 2023 के विश्लेषण में कहा गया है कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण बच्चों में गंभीर बीमारियों और मृत्यु दर में बड़ा इजाफा हुआ है। साल 2019 में बाहरी वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की सबसे ज्यादा मौतें रिपोर्ट की गईं। इसके बाद हरियाणा और पंजाब में भी बच्चों का मृत्यु दर काफी अधिक था।

प्रदूषण के कारण बढ़ा बच्चों की मौत का खतरा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये डेटा वायु प्रदूषण के कारण मृत्यु दर से संबंधित पिछले शोध और अनुमान मॉडल पर आधारित है। ये रिपोर्ट अभी तक पब्लिक डोमेन में नहीं डाली गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक अकेले साल 2019 में, बाहरी स्रोतों के कारण होने वाले प्रदूषण और इससे हवा में बढ़ते पीएम 2.5 के अलावा खाना पकाने के लिए ठोस ईंधन के उपयोग से भारत में 16 लाख से अधिक मौतें हुईं, इसमें से 1.5 लाख से अधिक मौतें 14 साल से कम उम्र के बच्चों की थीं। भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु के लिए वायु प्रदूषण को तीसरा सबसे बड़ा जोखिम कारक माना गया है। विशेषज्ञों ने कहा, बच्चे वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इतना ही नहीं इसका प्रतिकूल प्रभाव उनके पूरे जीवन काल पर असर डाल सकता है।

दिल्ली सहित कई राज्य प्रभावित

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2019 में, उत्तराखंड, राजस्थान, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में आउटडोर PM2.5 से संबंधित मौतों के प्रतिशत में वृद्धि हुई है। वहीं गोवा, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश में कुछ गिरावट देखी गई। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की 10% से अधिक मौतें, घरों में खाना पकाने के लिए ठोस ईंधन के उपयोग से जुड़ी थीं।

धुंध और प्रदूषण सेहत के लिए नुकसानदायक

वायु प्रदूषण और इसके कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि धुंध और प्रदूषण के चलते हमारे शरीर में कई हानिकारक रसायन प्रवेश कर जाते हैं, जिससे अंगों और उनकी कार्यप्रणाली पर नकारात्मक असर हो रहा है। धुंध में मौजूद प्रदूषक कणों और हानिकारक गैसों के कारण श्वसन तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जब हम धुंध में सांस लेते हैं, तो ये कण हमारी नाक, गले, फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, एलर्जी, सांस फूलना और खांसी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से श्वसन संबंधी समस्याओं से ग्रसित लोगों को अधिक खतरा होता है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-08 ◆अंक- 052 ◆ बिलासपुर, बुधवार 27 नवंबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2017/75085 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

संक्षिप्त खबरें

जोन 5 के वार्डों में लगाए जाएंगे आयुष्मान कार्ड बनाने शिविर

रायपुर। नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 5 के वार्डों में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाए जाएंगे। 27 नवंबर को डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड में चंगोराभाठा के सांस्कृतिक भवन में शिविर का आयोजन किया जाएगा। 28, 29 नवंबर और 2 दिसंबर को ठाकुर प्यारेलाल वार्ड में पार्षद कार्यालय, डंगनिया पानी टंकी, बाजार चौक और पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड क्रमांक 41 में 3, 4, 5 दिसंबर को पार्षद कार्यालय सेक्टर 01 डी. डी. नगर, पं सुंदर लाल शर्मा वार्ड क्रमांक 42 में 6, 9 10 दिसंबर को सामुदायिक भवन अश्वनी नगर, सुंदर नगर, महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड में 11,12,13 दिसंबर को यादव समाज भवन गोवर्धन चौक, पुरानी बस्ती, 16,17 और 19 नवंबर को वामनराव लाखे वार्ड में डे-केयर कुशालपुर एवं 20,23 और 24 दिसंबर को भक्त माता कर्मा वार्ड में वार्ड कार्यालय शितला तालाब श्रीराम नगर में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

कृषकों को बैंक में लंबी लाइन लगाने से मिलने लगा छुटकारा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में कृषकों को अब नकद राशि निकालने के लिए बैंकों में लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। किसानों को माइक्रो एटीएम प्रदान किए जा रहे है और उपार्जन केंद्रों में ही नकद राशि मिल रही है।

संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आईना : साय

संविधान दिवस पदयात्रा में मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगण और विधायक हुए शामिल

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज प्रातः संविधान दिवस पदयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। संविधान दिवस पदयात्रा पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौक पर समाप्त हुई। मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस पदयात्रा में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक, विधायकगण श्री इंद्र कुमार साहू, गुरु खुशवंत साहेब, श्री अनुज शर्मा, महिला आयोग की सदस्य श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वजीत तोमर शामिल थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संविधान भारत की सदियों पुरानी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आइना है। यह संविधान हमारे सदियों के संघर्ष, अनुभव और उपलब्धियों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज के दिन 26 नवंबर से संविधान दिवस 2024 के आयोजन की शुरूआत हुई है। आज भारत के संविधान को आत्मसात किए 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने जहां पर मौलिक अधिकारों की बात लिखी है, वहां भगवान श्रीराम, माता सीता और भइया लक्ष्मण की तस्वीर अंकित की है। उन्होंने कहा कि यह तस्वीर तब की है जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौट रहे थे। हमें इस बात को समझना होगा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने इस तस्वीर के माध्यम से हमें क्या संदेश दिया है। संविधान में ऐसे ही अनेक चित्र और संकेत हैं, जिनके माध्यम से संविधान निर्माताओं ने इंगित किया है कि हमें भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के साथ लोकतंत्र को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भी हमारे संविधान की एक बड़ी विशेषता है कि इसमें परिवर्तनशील समय के अनुरूप आवश्यकता पड़ने पर संशोधन का भी प्रावधान है। हमारे संविधान निर्माताओं ने देश पर अपनी इच्छाओं और विचारों को लादा नहीं, बल्कि अपनी दूरदर्शिता से भावी पीढ़ी के लिए यह गुंजाइश छोड़ी कि वह अपने समय की परिस्थितियों, अपने समय के ज्ञान, अपने समय की आवश्यकताओं के अनुसार इसमें संशोधन कर सकें। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि संविधान दिवस के इस गौरवशाली पल में हमें लोगों को संविधान प्रदत्त अधिकारों एवं हमारे मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। संविधान सभा ने दो वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान का निर्माण किया। भारत का यह संविधान पूरे विश्व के लिए आदर्श है। संविधान केवल किताब ही नहीं, अपितु लोकतंत्र के जीवन का दर्शन है। संविधान कर्तव्यों और अधिकारों का निर्धारण करता है। यह देश की एकता और अंखडता का सूचक है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि भारत के संविधान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने का आह्वान किया है। दुनिया के सबसे बड़े संविधान ने वनांचल की बेटी को देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति के पद पर आसीन होने का अवसर दिया। दलितों को आगे बढ़ाने का यदि कोई साधन है तो वह है भारत का संविधान। लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए देश के सभी लोगों को संविधान में दिए गए कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना होगा। भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा।

एक परिवार की तीन पीढ़ी को मिल रहा महतारी वंदन योजना का लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और आर्थिक संबल का एक बड़ा जरिया बन गया है, छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में महतारी वंदन योजना से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बल मिल रहा है। कबीरधाम जिले के बोडला विकासखंड के ग्राम भोंदा निवासी मरार पटेल का संयुक्त परिवार आज हितग्राही परिवारों के लिए प्रेरणा है इस परिवार में श्री सदाराम पटेल, उनके छोटे भाई श्री रामकुमार पटेल सपत्नीक, बेटों, बहुओं और पोते-पोतियों के साथ रहते हैं। इस परिवार के तीन पीढ़ियों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। महतारी वंदन योजना से यह परिवार आर्थिक मजबूती हासिल कर बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ठोस योजनाएं भी बना रहा है। श्री सदाराम पटेल और उनकी पत्नी श्रीमती सुखबती पटेल के दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू श्रीमती दिलेश्वरी (पति श्री गीताराम) और उनके तीन बच्चे बरखा, अंजू और प्रभा। दूसरी बहु श्रीमती मनीषा (पति श्री जगियाराम) और उनका बेटा मितांशु है। श्री सदाराम के छोटे भाई श्री रामकुमार पटेल और उनकी पत्नी श्रीमती बीरझा बाई के भी दो बेटे और बहुएं हैं। बड़ी बहू श्रीमती अनिता (पति श्री नरेन्द्र) जिनके दो बेटे और एक बेटी हैं। इसी तरह दूसरी बहु श्रीमती गनेशिया (पति श्री फगियाराम) और उनकी एक बेटी है।

परिवार की बहुओं और माताओं ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने योजना से मिलने वाली राशि को बेटियों की शिक्षा और शादी के लिए उपयोग करने का मन बनाया है। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना और ग्रामीण डाक जीवन बीमा में लाभकारी योजना में निवेश का निश्चय किया है। उनका कहना है कि इस योजनाओं से बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। योजनाएं 2039-40 तक उनके बच्चों के भविष्य के लिए आर्थिक रूप से सहायक साबित होंगी।

लक्ष्मी राजवाड़े ने नवा रायपुर स्थित नवीन शासकीय आवास में किया गृह प्रवेश

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित शासकीय आवास में अपने परिजनों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर गृह प्रवेश किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्री श्रीमती राजवाड़े को उनके नए आवास में प्रवेश के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। गृह प्रवेश समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर, श्री किरण देव, इंद्र कुमार साहू, धर्मजीत सिंह, पुरंदर मिश्रा, योगेश्वर राजू सिन्हा सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण ने भी महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े को अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से आशा को मिला नया जीवन

रायपुर। जब जीवन में हर तरफ अंधेरा दिखाई देने लगे तब उम्मीद के एक छोटी सी रोशनी भी पूरे जीवन को प्रकाशवान कर जाती है। ऐसी ही कहानी है कुनकुरी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत रेमते में रहने वाली 15 साल की आशा चक्रेश की। सिकलसेल से पीड़ित आशा के जीवन में कई उतार चढ़ाव आये पर कहीं भी उम्मीद की किरण दिखाई नहीं दे रही थी। यहां पर आशा के लिए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना एक नई उम्मीद बन कर आई।

आशा को जन्म से ही सिकलीन की बीमारी है। यह जानकारी मजदूर माता पिता के लिए किसी सदमे से कम नहीं थी। चिकित्सकों ने बताया था कि आशा को सिकलसेल की बीमारी का वह प्रकार है जो 10 लाख लोगों में एक व्यक्ति को होने वाली बीमारी है। इस संबंध में आशा की माता बिमला बाई चक्रेश ने बताया कि आशा के पिता स्व. मंगलराम चक्रेश उसके स्वास्थ्य और इलाज के लिए हमेशा चिंतित रहा करते थे। आशा के ईलाज के लिए दंपत्ति ने अपनी छोटी सी बचत और आयुष्मान भारत योजना की सहायता से कई अस्पतालों का चक्कर लगाया। रायपुर से लेकर इंदौर, मुंबई सभी जगह आशा की जांच कराने के बाद भी निराशा ही हाथ लगी थी।

बचपन से हर महीने आशा को खून चढ़ाने अस्पताल का चक्कर लगाना ही पड़ता था और इसका खर्च भी वहन करना पड़ता था। ऐसे में एक दिन एक दुखद दुर्घटना में पिता मंगलराम का भी निधन हो गया। इस हालात में आशा का आगे का इलाज असंभव लगने लगा था। एक दिन जिला प्रशासन द्वारा मेडिकल कैम्प आयोजित किया गया था जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी। हमारे लिए इसका खर्च उठा पाना संभव नहीं था तब जिला प्रशासन से जांच हेतु 01 लाख रुपये की सहायता उपलब्ध कराई, जिससे रायपुर जाकर जांच संभव हो सका। परन्तु महंगे ईलाज की समस्या अभी भी बनी हुई थी।

निर्वाचन कार्यों की तैयारी के संबंध में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

बिलासपुर (दैनंदिनी)। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता मे आज बिलासपुर कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष मे स्थानीय निकायों के निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में बिलासपुर और सरगुजा संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों संभाग के संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल हुए। निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने बैठक में चुनाव संबंधी सभी तैयारियां समय पूर्व सुनिश्चित करने के दिए। बैठक में मुख्य रूप से चुनाव की तैयारी, सुरक्षा व्यवस्था, मतदान केंद्रों की स्थिति, और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण विषयों की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस बैठक के माध्यम से चुनाव के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान होने वाली चुनौतियों और संभावित समस्याओं पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने, और मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने कहा कि निर्वाचन नामावली का कार्यक्रम जारी है। कल 27 नवंबर तक नाम जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा की 01 अक्टूबर 2024 की स्थिति मे 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र लोगों का नाम मतदाता सूची मे आवश्यक रूप से दर्ज होना चाहिए। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले की भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची मे सम्मिलित सभी नाम स्थानीय निकाय चुनाव के लिए तैयार की गई मतदाता सूची में शामिल हो। मतदाता सूची की शुद्धता से समस्याएं नहीं आती है। उन्होंने कहा की समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गए, उन्हीं निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की जा रही है।

क्रेडा की सौर सुजला योजना की पारदर्शी निविदा से शासन की 25 करोड़ की बचत

निविदा अंतर्गत प्राप्त अनुमोदित दर विगत वर्षों की तुलना में लगभग 12-15 प्र. हुई कमी

रायपुर (दैनंदिनी)। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा राज्य शासन के दिशा निर्देश अनुसार विद्युत पहुँच विहीन एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कृषकों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु माह नवम्बर 2016 में सौर सुजला योजना की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा की गई थी। इस योजनान्तर्गत कृषकों को अत्यंत न्यून दरों पर एवं आकर्षक अनुदान के साथ सोलर सिंचाई पम्प प्रदान किया जाता है। वर्ष 2016-17 से 2023-24 तक 8 चरणों में कुल 1,60,000 नग से अधिक सोलर सिंचाई पंपों से कृषक लाभान्वित हो रहे है साथ ही राज्य की लगभग 2 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो रही है। यह उपलब्धि माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की दूरगामी सोच व मार्गदर्शन एवं क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश सिंह राणा का क्रेडा की योजनाओं के प्रति कटिबद्धता व योजना के उचित क्रियान्वयन हेतु सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है।

योजना अंतर्गत नवमें चरण में सोलर सिंचाई पम्पों की स्थापना हेतु क्रेडा द्वारा निविदा क्रमांक 153398/CREDA/SPV IRRIGATION PUMPS /2024-25 दिनांक 26.02.2024 जारी की गई थी। निविदा की ऑनलाईन प्रक्रिया अंतर्गत राज्य शासन द्वारा नामित संस्थान (Chips) के माध्यम से निर्धारित तिथि अनुसार दिनांक 13.11.2024 को निविदा के शर्तोनुसार e-price bid हेतु पात्र 19 निविदाकर्ता इकाईयों द्वारा ऑनलाईन माध्यम से प्रस्तुत दरें निविदा समिति एवं उपस्थित निविदाकर्ता इकाईयों के समक्ष खोला गया, इस पारदर्शी प्रक्रिया से प्राप्त न्यूनतम दरें पूर्व वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 (7 वां/8वां चरण) की तुलना में औसतन लगभग 12 से 15 कम प्राप्त हुई हैं, जिससे राज्य शासन को लगभग राशि रू.25 करोड़ की बचत हुई।

दरें कम प्राप्त होने के कारण, राज्य शासन द्वारा स्वीकृत राशि अनुसार निर्धारित लक्ष्य 6000 कृषकों के अतिरिक्त लगभग 1000 से अधिक की संख्या में कृषक लाभान्वित हो सकेंगे। इस प्रकार राज्य शासन द्वारा स्वीकृत राशि की सीमा में ही लगभग 7000 कृषकों के चयनित स्थलों में सिंचाई हेतु सोलर पंपों की स्थापना की जा सकेगी। उक्त अतिरिक्त कृषकों के यहां सोलर पंप स्थापना का कार्य राज्य शासन की पारदर्शी कार्यप्रणाली से संभव हो सका।

लेख है कि क्रेडा की समस्त परियोजनाओं हेतु आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं में सम्मिलित होने हेतु इकाईयों का क्रेडा में पंजीयन कराये जाने का प्रावधान है। इकाई पंजीयन हेतु धरोहर राशि के रूप में पूर्व वर्ष की निर्धारित (राशि रू.5.00 लाख) में से राशि रू.1.50 लाख कम करते हुए धरोहर राशि रू.3.50 लाख ही निर्धारित किया गया, साथ ही छत्तीसगढ़ के स्नातक अभियंताओं हेतु यह राशि केवल रू.2.50 लाख निर्धारित किया गया। इस प्रकार अधिक से अधिक इकाईयों को निविदा में शामिल होने एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुआ। उपरोक्तानुसार छूट प्राप्त होने के कारण क्रेडा अंतर्गत संचालित सौर सुजला योजना हेतु जारी निविदा में लगभग 257 नयी इकाईयाँ सम्मिलित हो सकीं एवं प्रतिस्पर्धात्मक दरें प्राप्त होने से राज्य शासन के राजस्व की बचत होगी।

अरुण साव ने 20.25 करोड़ के विकास कार्यों की घोषणा की

लोरमी में 9.84 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव सोमवार को अपने जन्मदिन पर बिलासपुर, मुंगेली और लोरमी प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने मुंगेली के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुंगेली नगर पालिका के विभिन्न वार्डों के लिए 20 करोड़ 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। श्री साव ने पार्किंग सहित नगर पालिका के नए भवन, वार्ड क्रमांक-8 में गौरव पथ के जीर्णोद्धार, सड़क डिवाइडर के निर्माण व सौंदर्यीकरण तथा वार्ड क्रमांक-6 में बुधवारी बाजार के जीर्णोद्धार एवं स्वामी विवेकानंद चौक के पुनर्विकास के लिए राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने वार्ड क्रमांक-8 में स्टेडियम परिसर में स्वीमिंग पुल के निर्माण, पुष्प वाटिका उद्यान के पुनर्विकास और मुंगेली शहर में पांच स्वागत द्वारों के लिए राशि मंजूर करने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने लोरमी और मुंगेली में अपने जन्मदिन पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में क्षेत्र के विकास के लिए राशि की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में सक्रियता से विकास के कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हर एक गारंटी को पूरा करने का काम विष्णु देव साय की सरकार कर रही है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सोमवार को लोरमी नगर पालिका में नौ करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें मानस मंच उन्नयन, रानीगांव तालाब सौंदर्यीकरण, कार्यालय में प्रथम तल एवं पार्किंग निर्माण, तुलसाघाट में सीसी रोड एवं नाली निर्माण, मुंगेली रोड और पंडरिया रोड में प्रवेश द्वार, कर्मा माता चौक वार्ड क्रमांक-11 और अम्बेडकर चौक वार्ड क्रमांक-15 में अटल परिसर एवं मूर्ति स्थापना के काम शामिल हैं। उन्होंने लोरमी में विभिन्न मदों से सीसी रोड व नाली निर्माण, वार्ड क्रमांक-10 में आरसीसी पुलिया और वार्ड क्रमांक-8 रानीगांव में पुलिया निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया।

कहीं कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है...

संपादकीय

चुनाव में हार-जीत तो होती रहती है।हार हो या जीत हो दल और नेता को सहज रहना चाहिए। चुनाव हार गए हैं तो उसे सहज स्वीकार करना चाहिए।हार के लिए किसी तरह के बहाने नहीं बनाना चाहिए। ईवीएम में गड़बड़ी नहीं हुई होती तो हम हारते नहीं।पिछले कई सालों से जो भी चुनाव हारता है, वह हार के लिए अपनी कमी या खामी को कारण नहीं मानता है, हार का ठीकरा सीधे ईवीएम पर फोड़ देता है। चुनाव आयोग कई बार ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाने वालों से कह चुका है कि वह चुनाव आयोग के सामने आकर बताए तो ईवीएम में कैसे कोई गड़बड़ी कर सकता है, ईवीएम को कैसे कोई हैक कर सकता है। आज तक एक भी आदमी चुनाव आयोग के सामने जाकर किसी तरह की गड़बड़ी करके नहीं दिखा पाया है, ईवीएम को हैक करके नहीं दिखा पाया है।

कई लोग सुप्रीम कोर्ट तक चले गए कि देश में चुनाव ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे लोगों की याचिका खारिज कर दी और कहा कि दुनिया आगे जा रही है और आप लोग पीछे जाना चाहते हैं, यह ठीक नहीं है, ऐसा अब हो नहीं सकता।क्योंकि चुनाव आयोग ईवीएम से चुनाव कराता है तो वह हर तरह सुरक्षित है। इसमें किसी तरह की गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी एमवीए बुरी तरह हारा है, शरद पवार ने हार को हार की तरह स्वीकार किया है। वही कांग्रेस अध्यक्ष ने हार के लिए खुद को जिम्मेदारी मानते हुए इस्तीफा दे दिया है। जबकि राहुल गांधी कहते हैं कि महाराष्ट्र का चुनाव परिणाम अप्रत्याशित है। राहुल गांधी को कौन बताए कि कोई चुनाव परिणाम अप्रत्याशित नहीं होता है, जनता सोच समझ कर फैसला करती है कि किसे जिताना है और किसे हराना है। जनता के फैसले पर सवाल तो वही उठा सकता है जिसका लोकतंत्र में यकीन नहीं है।

लोकतंत्र में तो जनादेश का सम्मान किया जाता है।जिनका लोकतंत्र में यकीन होता है वह जनादेश का सम्मान करते हैं जैसे शरद पवार ने किया। बहुत से लोग हैं जनादेश के स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं,अपनी हार को पचा नहीं पा रहे हैं।बसपा अध्यक्ष मायावती भी ऐसी नेता हैं। उन्होंने उपचुनाव हारने के बाद आरोप लगाया है कि यूपी के उपचुनाव में ईवीएम के जरिए फर्जी वोटिंग की गई।पहले बैलेट पेपर के जरिए फर्जी वोटिंग की सूचना मिलती थी अब ईवीएम के जरिए भी फर्जी मतदान होने लगा है। इसलिए पार्टी ने फैसला लिया है कि अब वह भविष्य में किसी उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी।मायावती पहली ऐसी नेता है जिन्होंने ईवीएम से फर्जी वोटिंग का आरोप लगाकर उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इससे कहीं कोई फर्क नहीं पड़ना है।क्योंकि उपचुनाव तो वैसे तो बहुत ही कम होते हैं। बसपा तो यूपी तक ही सीमित हैं।वह इन दिनों अपने सबसे बुरे दिनों से होकर गुजर रही है।

बसपा कभी यूपी की नंबर वन या नंबर टू पार्टी हुआ करती थी, कई बार यूपी में उसकी सरकार रही है।ऐसा क्या हुआ कि बसपा की यूपी में इतनी बुरी हालत हो गई है कि वह उपचुनाव में सात प्रत्याशी खड़े करती है और सातों की जमानत जब्त हो जाती है। यह तो बसपा की बहुत बुरी हार हुई है।हारी तो सपा भी है लेकिन उसने दो सीट जीते तो हैं। इन दिनों यूपी में सपा नंबर दो की पार्टी बनी हुई है, बसपा का नंबर नीचे कहीं रह गया है, इसकी वजह है कि मायावती की क्षमता अब बसपा तो चुनाव जिताने की नहीं रह गई है,जब कोई पार्टी लगातार हारती है तो उसका जनाधार खिसकता जाता है।कमजोर होता जाता है।

दलितों की पार्टी बसपा उपचुनाव में एक सीट नहीं जीत पाती है,उसकी जमानत जब्त हो जाती है तो इसका मतलब यह है कि मायावती नए दौर की राजनीति में तालमेल नहीं बैठा पा रही है,उनको स्वीकारना चाहिए अब बसपा अकेले चुनाव नहीं जीत सकती।तो दूसरे दलों के साथ तालमेल बैठाने की कोशिश करनी चाहिए। बाकी दल यही कर रहे हैं।मायावती को भी ऐसा करना चाहिए और बदलते वक्त के साथ अपनी राजनीति करने के तरीके को भी बदलना चाहिए, कांग्रेस की तरह एक दिन तो जनता हमें चुनेगी सोचकर बैठे रहने से पार्टी कमजोर होती है, चुनाव हारती जाती है। बसपा के उपचुनाव नहीं लड़ने से क्या उपचुनाव नहीं होंगे, उपचुनाव तो होंगे, जो लड़ेंगे वह जीतेंगे और हारेंगे।

चुनाव में या तो जीत होती है या हार होती है। हार को स्वीकार करना चाहिए। अपनी कमी खामी को जानने का प्रयास करना चाहिए। कमी खामी दूर होगी तो पार्टी चुनाव जीत भी सकती है।यूपी में वर्तमान में भाजपा का बोलबाला है, उसका मुकाबला करने वाला कोई एक दल नहीं है,सपा को भी कांग्रेस जैसे दल की जरूरत पड़ती है।

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं।

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था। इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निमार्ता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार कर-के संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया। 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है। चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, ह्यअपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार ह्व बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते। संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थी। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी बदलाव को राजी हुए, क्या वे लोकोन्मुख हुए, क्या उनका व्यवहार पुराने जमींदारों, रजवाड़ों या अंग्रेजों जैसा नहीं है? अपवादों को छोड़ दें तो कितने अधिकारी ऐसे हैं, जो खुद को आम लोगों जैसा मानते हैं और विशेषाधिकार नहीं चाहते ? भारत की भाषा समस्या का समुचित समाधान संविधान में नहीं दिखता। देसी होकर भी हिंदी अब भी दक्षिण और पूर्व के कुछ राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं बन पाई है और विदेशी अंग्रेजी इस देश की असल ताकतवर और राजभाषा बनी हुई है। हिंदी की जगह भारतीय भाषाओं की बात करने से हिंदी विरोध की आंच धीमी तो हो जाती है, लेकिन अंग्रेजी की ताकत नहीं घटती। अंबेडकर चाहते थे कि संस्कृत राजभाषा हो, लेकिन नेहरू के दबदबे के चलते अपनी राय को मजबूती से रख नहीं पाए। सोचिए, अगर भारत में व्यक्ति की जगह गांवों को राज्य की इकाई माना गया होता तो क्या होता? संवैधानिक उपबंधों के चलते गांव हमारे विकास प्रक्रिया और शासन की इकाई होते।

घटना

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

ललित गर्ग

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं। संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी। संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं? यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती। देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता? एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सूझबूझ दिखाकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको किसी काम को करने के लिए मेहनत अधिक करनी होगी, तभी आपका काम पूरा हो सकेगा, इसलिए आपको हिम्मत दिखाकर आगे बढ़ना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको अनुभवी व्यक्तियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके घर किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। संतान ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आपको पुरानी समस्याओं से छुटकारा मिलेगा और आप अपने ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। माताजी आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ डाल सकते हैं, जिनसे आपको पीछे नहीं हटाना है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें मेहनत अधिक करनी होगी, तभी उन्हें परिणाम बेहतर मिलेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप किसी बात को लेकर अपने किसी सहयोगी से चल रही अनबन थी, तो वह भी दूर होगी। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कोई सहयोगी आपकी बातों का बुरा मान सकता है। आप बिजनेस को लेकर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आपका कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। कोई काम आप किसी दूसरे के भरोसा न छोड़े, नहीं तो उसमें समस्या आ सकती हैं। आपको मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आपको अपनी आय और व्यय को संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप तले भुने भोजन से परहेज रखें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपके प्रतिद्वंदी कामों में रुकावट लाने की बुरी कोशिश करेंगे। आपको उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए प्रॉपर्टी संबंधित मामले में सावधानी बरतने रखने के लिए रहेगा। आप किसी दूसरे से राय ना लें। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होगा। आध्यात्म के कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। कारोबार में आपको अच्छा लाभ मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। संतान को सेहत से संबंधित यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।

कन्या- आज का दिन विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आप अपने कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी वाद-विवाद से दूर रहने की आवश्यकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको किसी नई संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपनी धन संबंधित समस्याओं पर पूरा ध्यान देना होगा। पार्टनरशिप में किसी काम को करने से आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। आप अपने दिल से ज्यादा दिमाग की सुनेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। यदि किसी काम को लेकर चिंता बनी हुई थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण समस्या में आ सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को कोई इंवेस्टमेंट बहुत ही सोच समझकर करने की आवश्यकता है। आप अपने कामों को कल पर ना टालें, नहीं तो उन्हें पूरा करने में समस्या आएगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए इच्छाओं की पूर्ति के लिए रहेगा। यदि आपको किसी काम में कुछ उलझनें आ रही थी, तो वह भी दूर होंगी। आप भावनाओं में बहकर यदि कोई निर्णय लेंगे, तो उसे बाद में आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस के किसी काम को लेकर आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपको वाहन बहुत ही सावधानी से चलना होगा। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में यदि समस्या चल रही थी, तो आप उसमें ढील बिल्कुल ना दें। आपको कोई सहयोगी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। मित्रों के साथ आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आप आराम के मूड में रहेंगे। आपको अपनी किसी काम को सोचसमझकर करना होगा। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखें। कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। नौकरी में कार्यरत लोग यदि किसी काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड होंगे, तो बाद में उसमें उन्हें समस्या अवश्य आएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाना होगा। आपके रोजमर्रा के कामों में गिरावट आने से आपको समस्या आएगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी की बातों पर पूरा ध्यान देना होगा। आप अपने मन में नकारात्मक विचारों को न रखें, जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। संतान के करियर को लेकर आपको कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। कुछ प्रतिष्ठित लोगों से आपकी मुलाकात होगी। प्रॉपर्टी संबंधित कामों में यदि कुछ रुकावटें आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लग सकता है। कार्यक्षेत्र में आप खुद को सही साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे। आपके बॉस को आपके काम खूब पसंद आएंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को पुरस्कार मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा, लेकिन आपको अपने समय का सदुपयोग करना होगा। परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर आप कुछ पारिवारिक मामलों को लेकर बातचीत करेंगे। आपकी सेहत में उतार चढ़ाव बना रहेगा। यदि आपने उसमें ढील दी, तो वह बढ़ सकता है। आपका बिजनेस पहले से ग्रो करेगा, जो आपको खुशी देगा। आपको कोई निर्णय दरवाजे में लेने से बचना होगा।

तकनीकी विकास और आधुनिकता के प्रभाव से जूझते बच्चे

राजेश मणि

वर्तमान युग में भारतीय समाज त्वरित गति से तकनीकी और सामाजिक बदलावों का सामना कर रहा है। तकनीकी विकास ने हमारे बच्चों के जीवन को जहां नये अवसर दिए हैं, वहीं कई संकटों को भी जन्म दिया है। आज के बच्चे, जो हर रोज स्मार्टफोन, इंटरनेट और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं, अपनी मानसिकता, आदतों और जीवनशैली में तेजी से बदलाव महसूस कर रहे हैं। पिछले कुछ दशकों में भारत में इंटरनेट, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है। शिक्षा से लेकर मनोरंजन तक, सब कुछ डिजिटल हो गया है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल गेमिंग, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और वीडियोग्राफी जैसे अत्याधुनिक साधन बच्चों की सोच, आदतें और जीवनशैली को आकार दे रहे हैं। बच्चों का अधिकांश समय स्मार्टफोन, टैबलेट, और कंप्यूटर पर बीतता है। परिणामस्वरूप बच्चों में शारीरिक गतिविधियों की कमी हो रही है। शारीरिक निष्क्रियता से मोटापा, हड्डियों की कमजोरी और स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं। लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से उनकी आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और आंखों की रोशनी में भी गिरावट आ रही है। मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। बच्चों को साइबरबुलिंग, पोर्नोग्राफी, और असामाजिक सामग्री का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके मानसिक विकास को नुकसान पहुंचाता है। सोशल मीडिया पर खुद को दूसरों से बेहतर साबित करने का दबाव भी बच्चों को तनाव और अवसाद की ओर धकेल रहा है। तकनीकी विकास ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल उपकरणों का बढ़ता उपयोग बच्चों को नई पद्धतियों से शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दे रहा है। इंटरनेट ने जहां बच्चों को दुनिया भर की जानकारी से परिचित कराया है, वहीं यह पारंपरिक शिक्षा की आदतों और मूल्यों से भी उन्हें दूर कर रहा है। बच्चों को खुद से पढ़ाई करने और स्वाध्याय की आदत डालने की बजाय वे अब इंटरनेट और तकनीकी उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं। साथ ही, शिक्षा में नैतिक और सामाजिक शिक्षा की कमी भी महसूस हो रही है। आजकल के बच्चे भले ही तकनीकी दृष्टि से बेहद प्रगति कर गए हैं, लेकिन उनके भीतर मानवीय मूल्यों, नैतिक शिक्षा और पारिवारिक संबंधों की अहमियत धीरे-धीरे कम हो रही है। यह स्थिति बच्चों को मानसिक और सामाजिक दृष्टिकोण से कमजोर बना रही है।

भारत में पारंपरिक रूप से बच्चों से उच्च शिक्षा की उम्मीदें बहुत अधिक होती हैं। माता-पिता और समाज बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे हमेशा सर्वोत्तम परिणाम देंगे, जो मानसिक दबाव का कारण बन सकता है। बच्चों को अपनी पहचान बनाने में भी कठिनाई हो रही है, क्योंकि वे समाज के मानकों में बंध कर जीने की कोशिश करते हैं। यह दबाव न उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी डगमगा सकता है। इसके अलावा, आजकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्त जीवनशैली के कारण बच्चों को पर्याप्त समय और ध्यान नहीं मिल पाता। परिणाम यह होता है कि बच्चे अपने माता-पिता से मानसिक और भावनात्मक सहायता प्राप्त नहीं कर पाते और इस स्थिति में उनका मानसिक विकास बाधित हो सकता है।

इस संकट से उबरने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम उठाने होंगे-संतुलित जीवनशैलीः बच्चों को तकनीकी उपकरणों का उपयोग सीमित करना चाहिए। शारीरिक गतिविधियों, खेलकूद और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलना चाहिए। संतुलित जीवनशैली बच्चों को मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षाः बच्चों को तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा और मानवता के मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए। इससे बच्चों का मानसिक-सामाजिक विकास संतुलित रूप से हो सकता है। पारिवारिक समर्थनः बच्चों को अपने परिवार से मानसिक-भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होती है।

माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए, उन्हें समझने और उनकी समस्याओं का हल निकालने में मदद करनी चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की देखभालः बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। बच्चे किसी प्रकार के मानसिक तनाव या अवसाद से जूझ रहे हैं, तो उन्हें काउंसलिंग और उचित मानसिक उपचार की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। शिक्षा में सुधारः पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों को आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों की भी शिक्षा दी जानी चाहिए।

सरकार भी अपने तरीकों से हस्तक्षेप करने का प्रयास किया है भारत सरकार, प्रदेश सरकारें समय-समय पर जागरूकता अभियान और दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने साइबर सुरक्षा पर किशोरों/छात्रों के लिए पुस्तिका भी बनाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल में चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया कि चाइल्ड पोर्न देखना या उसे स्टोर करके रखना भी पास्को और आईटी कानून के तहत अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पास्को एक्ट की धारा 15 के अनुसार चाइल्ड पोर्न देखना, रखना, प्रकाशित करना या उसे प्रसारित करना अपराध है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ सुझाव भी दिया। कहा कि अदालतों को अपने फैसले में चाइल्ड पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लाटेटिव मैटेरिअल का इस्तेमाल करना चाहिए।

सही मायने में 'बाल दिवसझ का स्वरूप तब दिखेगा जब हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलें। बच्चों के प्रति कोई हिंसा न हो। बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल यौन शोषण, बाल विवाह इस सभी चीजों से आजादी हो। भारत में आज के बच्चे तकनीकी विकास और आधुनिकता के प्रभाव से जूझ रहे हैं। यह तकनीकी युग उनके लिए कई नये अवसर उत्पन्न करता है, लेकिन इसके साथ ही यह उनके मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव भी डाल रहा है। इस संकट से उबरने के लिए हमें एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें बच्चों का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त अभियान को सफल बनाने दिए निर्देश

समय-समय सीमा की बैठक में लंबित कार्यों के प्रगति की समीक्षा

कोण्डागांव। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बाल विवाह मुक्त अभियान को सफ्ल बनाने हेतु विभिन्न विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत जिले में बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव के तहत आम नागरिकों को जागरूक करने के लिए सभा, रैली, शपथ एवं अन्य स्थानीय समुदाय के सदस्यों के साथ विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए बाल विवाह मुक्त कोण्डागांव अभियान को सफ्ल बनाएं।

कलेक्टर श्री दुदावत ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्रों में उन्नयन कार्य के प्रगति की जानकारी लेते हुए शौचालय निर्माण कार्य और विद्युतीकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर भर्ती की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और प्रधानमंत्री पोषण अभियान के जिले में क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत जिले में प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही की समीक्षा करते हुए कहा कि आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ दिलाएं। कलेक्टर ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बैंक सखी के कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से जिले के महिला हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं साथ ही बैंक सखी द्वारा उन्हें राशि के आहरण में मदद की जा रही है। इससे महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों और बैंक सखी दोनो को लाभ मिल रहा हैं। उन्होंने बैंक सखी के कार्यों के विस्तार के लिए एनआरएलएम के अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में शेड निर्माण के प्रगति और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की जानकारी ली और अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया। कलेक्टर ने बारदाने संग्रहण की स्थिति की भी समीक्षा की और सभी एसडीएम को राईस मिलरों और पीडीएस दुकानों से बारदाना संग्रहण में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में 03 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन के साथ मुक्त किए गए बंधक श्रमिकों और उनके परिवार को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने, मया मंडई के आयोजन संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी समस्याएं समय-सीमा के बैठक के पश्चात कलेक्टर श्री दुदावत ने जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीणजनों के विभिन्न समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक जांच के पश्चात कार्यवाही हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर कलेक्टर ने दिलाई शपथ

कोण्डागांव। संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री दुदावत ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित सभी अधिकारियों को शपथ दिलाई। सभी ने शपथ ली कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में, इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मसमर्पित करते हैं। इस अवसर पर डीएफओ एस नवीन कुमार, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एडीएम चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपाय करे : संबित मिश्रा

बीजापुर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक इन्द्रावती सभाकक्ष में हुई। कलेक्टर ने दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए दुर्घटना जन्य क्षेत्रों में संकेतक बोर्ड लगाने, स्पीड ब्रेकर, रेडियम, सीट ब्लेट, हेलमेट, अंधाधूंन मोड़, ब्लैक स्पोर्ट को चिन्हांकित करने, आवारा पशुओ को सड़क से हटाने, यातायात नियमों का पालन करने, जनजागरुकता सहित सभी उपाय करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए। लोक निर्माण विभाग, राजस्व, यातायात, पुलिस विभाग, नगरीय निकाय सहित सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ सड़क दुर्घटनाओं में रोक लगाने आवश्यक पहले करने को कहा। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने जागरूकता के लिए यातायात नियमों को पालन करवाने के निर्देश दिए साथ ही बिना हेलमेट, सीट बेल्ट, और ड्रायविंग लायसेंस नहीं होने पर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सभी आला अधिकारियों को सूचित किया गया कि कलेक्टर परिसर में कोई भी अधिकारी एवं कर्मचारी बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट के प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों से ही की जाएगी। बैठक में पुलिस, राजस्व, लोकनिर्माण विभाग, नगरीय निकाय, यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपूर्ण कार्यों को जल्द पूरा करें : कलेक्टर

बीजापुर (दैनंदिनी)। जिला कार्यालय के इन्द्रावती सभाकक्ष में कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने ली समीक्षा बैठक। इस दौरान निर्माणधीन आंगनबाड़ी भवन, पंचायत भवन, पीडीएस गोदाम और स्वीकृत प्रधानमंत्री आवासों को प्राथमिकता के साथ जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। वर्किंग सीजन में निर्माण कार्यों को गति देने जनपद सीईओ से लेकर प्रत्येक मैदानी अमले को प्रतिदिन फील्ड विजिट कर प्रगति से अवगत कराने को कहा। कलेक्टर ने राशन कार्ड, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र सहित चार प्रकार के कार्ड जन्म के 10 दिवस के भीतर प्रदान किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक समन्वयक को वित्तीय वर्ष 16-17 से 22-23 तक के सभी अपूर्ण आवासों को माह दिसम्बर तक पूर्ण किये जाने के कड़े निर्देश दिए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत कल सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा लगाकर शपथ दिलाया जाएगा। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु विस्तृत समीक्षा करते हुए बीजापुर जिला तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्य की सीमा से लगे होने के कारण जिले में अवैध धान का आवक होने की संभावना बनी रहती है। किसी भी प्रकार के अवैध धान को जिले के सीमा के भीतर प्रवेश को रोकने अंतराज्यीय चेकपोस्ट में निगरानी बढ़ाने, बारदाने उपलब्ध कराने, चबूतरा धान से भरी बोरियों का समुचित ढंग से रखरखाव, स्टेकिंग, ढंकने के लिए तारपोलिन सहित सभी सुरक्षित व्यवस्था इंतजाम करने, धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया है।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार सहित जिला स्तर के वरिष्ठ अधिकारीगण, सभी अनुभाग के एसडीएमए डिप्टी कलेक्टर एवं ब्लाक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पड़कीभाट में संविधान दिवस का आयोजन

बालोद। राज्य शासन के निर्देशानुसार संविधान दिवस के अवसर पर 26 तारीख को जिले के महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत निर्मित जिले के 138 अमृत सरोवर स्थलों में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार संविधान दिवस के पावन अवसर को ऐतिहासिक एवं स्मरणीय बनाए रखने हेतु आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान भारतीय संविधान दिवस की प्रस्तावना का पठन भी किया गया। इस अवसर पर विकासखण्ड के ग्राम पड़कीभाट के अमृत सरोवर में जिला स्तरीय संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों को भारतीय संविधान उद्देशिका का वाचन कराने के अलावा भारतीय संविधान के आदर्शों तथा देश के नागरिकों का संविधान के प्रति प्रतिबद्धता के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य संविधान के प्रति नागरिकों को जागरूक करना तथा देश के नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी देना भी है। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों के लिए निबंध, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। समारोह में निबंध प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन

बीजापुर। शैक्षणिक संस्थान समिति द्वारा संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 11 नवंबर 2024 से पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। वहीं ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2024 तक तथा ऑनलाईन भरे गए फॉर्म में त्रुटि सुधार की तिथि 11 से 19 दिसम्बर 2024 रात्रि 11:59 बजे तक, प्रवेश परीक्षा की संभावित तिथि 19 जनवरी 2025 दिन रविवार निर्धारित किया गया है। ऑनलाईन पंजीयन हेतु का अवलोकन किया जा सकता है।

हेल्पलाईन नम्बर पर दें बाल विवाह की सूचना

बीजापुर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नियमित रूप से बच्चों एवं महिलाओं को संरक्षण को लेकर सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान सभी बच्चों को जानकारी दी जा रही है कि सभी बच्चो को स्कूल की पढ़ाई पूरी करने और हिंसा से सुरक्षित रहने का अधिकार है, कम उम्र में और जबरन शादी के कारण अभी भी बहुत से लडके/लडकियां इन अधिकारों से वंचित रह जाते है। अभी शादियों का सीजन चल रहा है ऐसे में बाल विवाह जैसी शिकायते भी विभाग को मिलती है इसके लिए विभाग के लिए गाईड लाईन एवं टोल फ्री नम्बर जारी किये जाते है। जिससे की बाल विवाह को रोका जा सके। कही भी बाल विवाह संबंधी जानकारी कही भी मिले तो चाईल्ड हेल्पलाईन 1098, और महिला हेल्पलाईन 181 पर कॉल करे इसके अलावा नजदीकी आंगनबाडी केन्द्र की कार्यकर्ता, सरपंच, पार्षद, महिला बाल विकास पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी, स्थानीय नेताओं को भी सूचना दे सकते है बाल विवाह एक अपराध है बाल विवाह की सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है। अगर अपने आसपास बाल विवाह होने की सूचना मिले तो इन सब माध्यमों से और बच्चों के लिए काम करने वाली किसी नजदीकी संस्था या बीजादूतीर स्वयं सेवक के माध्यम से जानकारी दे सकते है।

पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में संविधान दिवस का आयोजन

कोण्डागांव। एम.जी.वार्ड स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने भारतीय संविधान के महत्व और उसके ऐतिहासिक पहलुओं पर अपने भाषण प्रस्तुत किये। इस अवसर पर प्राचार्य शांतिलाल सलाम ने संविधान दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान अपनाया गया था, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। हमारा संविधान कठोर और लचीला दोनों है और इसकी आधारभूत संरचना कभी नहीं बदली जा सकती। यह संविधान हमें मौलिक अधिकार और दायित्व प्रदान करता है, जिनका पालन हमें ईमानदारी और जिम्मेदारी से करना चाहिए। इस दौरान कक्षा 10वीं की लतिका दास और कक्षा 7वीं की यज्ञनिका वैष्णव ने भी अपने भाषण प्रस्तुत किये।

14545 पर फोन करने पर मोर संगवारी घर पर आकर काम करके देगा

भिलाईनगर (दैनंदिनी)। मोर संगवारी सेवा योजना नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ घर बैठे कम समय में दिये जाने हेतु मोर संगवारी सेवा का शुभारंभ दिनांक 01 मई 2022 से किया गया है। यह योजना छ.ग. के सभी 14 नगर निगमों मे चल रही है। इसके लिए शासन ने टोल फ्री न. 14545 जारी किया है, जिस पर फोन करके संगवारी एजेंट के माध्यम से नागरिक कई प्रकार के सुविधाओं का लाभ ले सकते है। नगर निगम भिलाई द्वारा अभी तक 30533 आवेदन बनाकर नागरिकों को लाभ पहुंचाया गया है।

मोर संगवारी योजना के तहत विवाह प्रमाण पत्र के कुल-2219 आवेदन, मृत्यु प्रमाण पत्र के कुल-394 आवेदन, जन्म प्रमाण के कुल-732 आवेदन, दुकान एवं स्थापना पंजीयन/गुमास्ता लाइसेंस के कुल-331 आवेदन, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का आधार पंजीयन कुल-10031 आवेदन, पैन कार्ड सेवा के कुल-253 आवेदन, आधार मोबाईल नम्बर अपडेट के कुल-11074 आवेदन, मूल निवास प्रमाण पत्र के कुल-1311 आवेदन, अनुसुचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र के कुल-56 आवेदन, पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र के कुल-266 आवदेन, आय प्रमाण पत्र के कुल-2839 आवेदन, एपीएल राशन कार्ड के कुल-231 आवेदन, विवाह सुधार के कुल-93 आवेदन बनाकर दिये जा चुके है। प्रदेश में नागरिकों को सर्टिफिकेट डिलीवरी करने में नगर पालिक निगम भिलाई का तृतीय स्थान है। शासन के इस अत्यंत उपयोगी योजना से न सिर्फ नागरिकों को घर बैठे शासकीय सेवाओं का लाभ मिला है बल्कि लोगों के समय और पैसे की भी बचत हो रही है, साथ ही साथ सरकारी काम में भी तेजी आयी है। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल ने नागरिको से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में शासन की इस जनउपयोगी योजना का लाभ उठाएं। इस योजना का उद्देश्य है नागरिको को शासकीय कार्यालयों बार-बार जाना न पड़े, घर बैठे-बैठे काम हो जावे।

अमृत सरोवरों में हुआ संविधान की उद्देशिका का पठन

बीजापुर। संविधान दिवस के अवसर पर जिले के अमृत सरोवर स्थलों में संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन में इस ऐतिहासिक दिन को स्मरणीय बनाने के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी मिलने, भारत के संविधान के निर्माण और उसके निर्माण और महत्व को भी याद किये जाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत रमेश नंदनवार ने सभी जनपदों के ग्राम पंचायतों के अमृत सरोवर स्थलों पर कार्यक्रम आयोजित कर संविधान दिवस मनाने के निर्देश दिए उन्होंने अवगत कराया कि भारत सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इस अमृत सरोवर स्थलों पर एक विशेष समारोह का आयोजन करने प्रस्तावित किया है, अमृत सरोवर स्थलों में संविधान की उद्देशिका का पठन से संविधान के आदर्शो के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया गया।

संविधान हमारे देश की आत्मा है, और हमें इसके प्रावधानों का पालन करना चाहिए, उक्त पंक्ति को आत्मसात करते हुए अमृत सरोवर स्थलों में ग्राम पंचायतों के सदस्यों,स्थानीय नागरिकों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति जागरूकता पखवाड़ा आयोजन

बीजापुर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतर्राष्ट्रीय दिवस से 10 दिसम्बर मानव अधिकार दिवस तक, 16 दिवसीय सक्रियता अभियान के रूप में लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इस अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों एवं उनके हितों के प्रति जागरूकता बढाने हेतु गतिविधियॉ जिले में आयोजित किया जा रहा है इसके तहत महत्वपूर्ण मुद्दे जैसे बाल विवाह, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम, सोशल मडिया पर पोस्ट / इंफ्रोग्राफिक्स के माध्यम से pocso, बाल विवाह रोकथाम अधिनियम बाल संरक्षण तंत्र की जानकारी मिशन शक्ति के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न योजनाएं एवं सेवाओं वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन के प्रति जागरूकता, महिला उत्पीडन, इलेक्ट्रीक शिकायत पोर्टल ह्यद्बद्ग ड्ढश्व× के बारे में जागरूकता बढ़ाना, आपातकीन सेवाओं जैसे महिला हेल्पलाईन 181, चाईल्ड हेल्पलाइन 1090 के बारे में जागरूकता के साथ-साथ बाल सड़क पर रहने वाले बच्चे, अपशिष्ट सग्रांहक, बाल भिक्षावृति से लिप्त बच्चे, बालश्रम में लिप्त बच्चों का चिन्हांकन एवं बेटी बचाओ बेटी पढाओं अभियान पर सघन अभियान चलाया जा रहा है इस दौरान लोगों को लैगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम, बाल संरक्षण अधिनियम, बाल विवाह रोकथाम हेतु सजग रहने की जानकारी एवं बच्चों को नशे से दूर रखने की समझाईस दी जा रही है। 16 दिवस का अभियान चलाया जा रहा है। प्रचार-प्रसार श्री राहुल कुमार कौशिक जिला बाल संरक्षण अधिकारी, श्रीमती शीला भारद्वाज जिला महिला संरक्षण अधिकारी, सुश्री आनंदमई मल्लिक विधिक सह परीविक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक सूची शुक्ला, सुश्री पुष्पा बंजारे एवं श्री संदीप चिडेम, श्री राजकुमार निषाद सामाजिक कार्यकर्ता, श्री राजेश मडे आउटरीच वर्कर द्वारा जानकारी दी गई है।

टी20 2024 वर्ल्ड कप विजेता हर खिलाड़ी को मिलेगी इतनी रकम

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी खत्म हो गई है और सभी टीमों ने अपनी रणनीति के मुताबिक अपनी टीमें चुन ली हैं। इस नीलामी में कुल 182 खिलाड़ी बिके, जिनमें से 62 विदेशी खिलाड़ी थे। इस बार नीलामी में सभी टीमों ने कुल 639 करोड़ 15 लाख रुपए खर्च किए। ऋषभ पंत आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने और उन्हें लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 270 करोड़ में खरीदा। पंत 2024 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे और एक विस्फोटक बल्लेबाज हैं। इसके अतिरिक्त, 'विकेट टेकर' और 'कैप्टन' विकल्प भी उपलब्ध हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 15 खिलाड़ियों को पैंट के अलावा कितना मिला? टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रोहित शर्मा ने भारतीय टीम की कप्तानी की. हार्दिक पंड्या ने उपकप्तानी संभाली. इस बीच सूर्यकुमार यादव और जसपित बुमरा ने इस खिताब को जिताने में अहम भूमिका निभाई. ये चारों खिलाड़ी मुंबई इंडियंस टीम में बने रहे. 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में 15 खिलाड़ियों में से 11 खिलाड़ी बचे रहे और चार खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से खरीदा गया। इस नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ी हैं ऋषभ पंत, अरशद सिंह, मोहम्मद सिराज और युजेंद्र चहल। टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीता.

भारत ने 17 साल में पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीता. इससे पहले भारतीय टीम ने 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में यह खिताब जीता था.

ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी को 6-0 से हराया

नई दिल्ली : ओडिशा एफसी ने सोमवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के दौरान हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी स्टेडियम में हैदराबाद एफसी पर 6-0 की शानदार जीत के साथ अपने तीन मैचों की जीत रहित लकीर को समाप्त कर दिया। यह सर्जियो लोबेरा की टीम का एक प्रभावशाली प्रदर्शन था, जिसमें इसाक वानलालरुआतफेला, डिएगो मौरिसियो, जेरी माविहमिंगथांगा, मोर्टाडा फॉल, लालथाथांगा खौलरिंग और रहीम अली सभी ने स्कोरशीट पर अपनी छाप छोड़ी। मैच की शुरुआत बहुत ही जोरदार तरीके से हुई, जिसमें दोनों टीमों ने आक्रामक इरादे दिखाए। पहला स्पष्ट अवसर रॉय कृष्णा के पास आया, जिन्होंने स्टीफन सैविक को पीछे छोड़ दिया, लेकिन उनका प्रयास पोस्ट पर जाकर लगा। फिजी के फॉरवर्ड ने अपनी गति से हैदराबाद एफसी की रक्षा को चकमा दिया, जबकि अहमद जाहोह ने लंबी गेंद डालने के लिए बेहतरीन विजन दिखाया। हैदराबाद एफसी की विदेशी आक्रमणकारी जोड़ी, एलन पॉलिस्टा और एडमिल्सन कोरेया ने ओडिशा एफसी के लिए कभी-कभी खतरे पैदा किए, लेकिन मोर्टाडा फॉल ने उन्हें प्रभावी रूप से बेअसर कर दिया। सफलता 12वें मिनट में मिली जब इसाक वनलालरुआतफेला ने अपने 50वें आईएसएल प्रदर्शन के दौरान हैदराबाद एफसी के पेनल्टी क्षेत्र में अराजक पिनबॉल स्थिति का फायदा उठाते हुए गोलकीपर लालबियाखलुआ जोंगटे को छकाते हुए गेंद को आगे बढ़ाया। ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी को उनके मौकों को भुनाने में विफल रहने के लिए दंडित किया। पुइतेया ने मिडफील्ड में लेनी रोड्रिग्स को हटा दिया, एक दृढ़ रन बनाया और एक शॉट लगाया जिसे जोंगटे ने बचा लिया। हालांकि, डिएगो मौरिसियो ने रिबाउंड को घर में डालने के लिए पूरी तरह से तैयार थे, जिससे आधे घंटे के निशान पर आगंतुकों की बढ़त दोगुनी हो गई। दूसरे हाफ में ओडिशा एफसी ने हैदराबाद एफसी के डिफेंस को पछाड़ते हुए अपना लगातार हमला जारी रखा। थांगबोई सिंग्टो की टीम को संघर्ष करना पड़ा क्योंकि जैरी माविहिंगथांगा, मौरिसियो और इसाक ने कई मौके बनाए। ओडिशा की दृढ़ता का 51वें मिनट में फायदा हुआ जब इसाक के सटीक क्रॉस ने बॉक्स में जैरी को पकड़ लिया। हालांकि जैरी को साफ कनेक्शन नहीं मिल पाया, लेकिन गेंद जोंगटे से टकराकर नेट में चली गई, जिससे टीम की बढ़त 3-0 हो गई। हैदराबाद एफसी ने लगभग एक गोल कर लिया था जब जॉन गजटानागा अल्बा की फ्री-किक ने पॉलिस्टा को पकड़ लिया, जिसका हेडर अमरिंदर सिंह ने बेहतरीन तरीके से बचा लिया, इस प्रक्रिया में उनकी नाक पर चोट लग गई। डिफेंस को मजबूत करने के लिए लोबेरा ने कार्लोस डेलगाडो और रहीम अली को मैदान में उतारा। 70वें मिनट में मेजबान टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं जब जाहोह के कॉर्नर ने फाल को फार पोस्ट पर पहुंचा दिया। डिफेंडर ने अपने पहले टच से गेंद को नियंत्रित किया और दूसरे टच से गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। ओडिशा एफसी ने दबाव बनाए रखा और मौरिसियो ने पराग श्रीवास को मात देकर गेंद पुइतेया को दी, जिन्होंने 75वें मिनट में शांतिपूर्वक गेंद को नेट में डाल दिया, जिससे स्कोर 5-0 हो गया। मेहमान टीम का खेल अभी खत्म नहीं हुआ था। 89वें मिनट में, स्थानापन्न रहीम अली और मौरिसियो ने मिलकर तेजी से जवाबी हमला किया। मौरिसियो ने रहीम को दाएं किनारे से भेजा और मौरिसियो ने अपनी गति का इस्तेमाल करते हुए अपने मार्कर को पछाड़ दिया और जोंगटे को पछाड़ दिया, जिससे ओडिशा एफसी को 6-0 से जीत मिली।

कौन होगा आरसीबी का नया कप्तान

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी खत्म हो गई है. टीमें अब अगले सीज़न के लिए तैयार हैं। इस दिन का इंतजार आईपीएल फ्रेंचाइजियों के अलावा फैंस को भी था. अब तस्वीर साफ हो गई है. लेकिन कप्तान को लेकर कुछ टीमों के बीच अभी भी तनाव बना हुआ है. इसमें आरसीबी भी शामिल है. इस वक्त सबसे बड़ा सवाल ये है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का अगला कप्तान कौन होगा आरसीबी वर्तमान में तीन मुख्य उभरते प्रतिस्पर्धी हैं। लेकिन आखिरकार कमान किसे दी जाएगी यह भविष्य के गर्भ में है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर या आरसीबी ने इस साल नीलामी में कुल 22 खिलाड़ियों को खरीदा। अगर टीम चाहती तो अपने रोस्टर में 25 खिलाड़ियों को शामिल कर सकती थी, लेकिन प्रबंधन शायद इसे जरूरी नहीं समझता। टीम में विराट कोहली, रजत पाटीदार और यश दयाल जैसे खिलाड़ी रहे. इस बार नीलामी में कई धाकड़ खिलाड़ियों को खरीदा गया. हालाँकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि खरीदे गए खिलाड़ियों में कप्तान भी शामिल है या नहीं। पिछले साल तक टीम की कमान फाफ डुप्लेसिस के हाथों में थी, लेकिन इस बार उन्हें बर्खास्त कर दिया गया. फाफ अब दिल्ली कैपिटल्स टीम से जुड़ गए हैं.

आरसीबी के नए कप्तान की बात करें तो सबसे बड़े उम्मीदवार खुद विराट कोहली हैं.

खास बात यह है कि विराट कोहली ने खुद आरसीबी का कप्तान पद छोड़ा, यह उनकी इच्छा थी, शायद किसी ने उनसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा होगा। अब अगर वह दोबारा कप्तान बनना चाहेंगे तो शायद उन्हें कोई नहीं रोकेगा. कोहली को आरसीबी ने 21 करोड़ रुपये में खरीदा था. इसका मतलब है कि वे जिम्मेदारी ले सकते हैं. हालांकि आईपीएल में अभी काफी समय है लेकिन टीम प्रबंधन के पास अभी भी इस बारे में सोचने के लिए काफी समय है।

डेविड विसे ने 39 साल की उम्र में भी खेलने के लिए प्रेरित रहने का राज बताया

नई दिल्ली : ऑलराउंडर डेविड विसे, जो वर्तमान में डेक्कन ग्लेडिएटर्स के लिए 2024 अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं, जो जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है, ने 39 साल की उम्र में भी खेल खेलने के लिए प्रेरित रहने का अपना रहस्य साझा किया है। 'मेरे लिए, यह हर एक दिन बेहतर होने की प्रेरणा है। मुझे क्रिकेट पसंद है और मैं प्रशिक्षण का आनंद लेता हूं और बेहतर होने की कोशिश करना पसंद करता हूं। हर बार जब कोई मेरी उम्र का जिक्र करता है, तो यह मुझे थोड़ा और प्रेरित करता है। खेल बदल गया है और आप थोड़ा और आगे जा सकते हैं और शायद मुझे थोड़ा सा झटका लगा जब हर कोई मेरी उम्र का जिक्र करता है, लेकिन यह मुझे थोड़ा प्रेरित करता है,' विसे ने अबू धाबी टी10 की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कहा। दाएं हाथ के क्रिकेटर के अनुसार, इस आधुनिक युग में खिलाड़ी फिटनेस पर बहुत ध्यान देते हैं जो उन्हें लंबे समय तक खेलने में मदद करता है।

अबू धाबी टी10 की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने कहा, 'आधुनिक युग में लोग अधिक फिट और मजबूत हैं। तकनीक में और अधिक प्रगति हुई है। यह सब लोगों को थोड़ा और अधिक खेलने की अनुमति देता है। फिजियो के पास अलग-अलग तकनीकें हैं और लोग अधिक मजबूत हैं और अब यह बहुत अधिक पेशेवर है। बहुत कुछ ऐसा भी है जो खिलाड़ियों को वास्तव में अब थोड़ा और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए यह केवल पावर शॉट या तकनीक के बारे में नहीं है, यह दोनों का थोड़ा सा है।'

नामीबियाई क्रिकेटर का मानना है कि अबू धाबी टी10 जैसे टूर्नामेंट युवाओं को इस क्षेत्र के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेलने और उनसे कुछ अच्छा अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ खेलना बहुत बड़ी बात है और युवा खिलाड़ियों और खास तौर पर स्थानीय खिलाड़ियों के लिए यह मौका शायद ही कभी मिले। अगर वे कुछ सीखने के लिए तैयार हैं, तो आप उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। सीखने की हमेशा गुंजाइश रहती है। हमें युवाओं से भी सीखने का मौका मिलता है क्योंकि उनके पास हमेशा अलग-अलग सिद्धांत, अलग-अलग तकनीकें होती हैं और वे खेल को अलग तरीके से खेलते हैं। इसलिए वे चीजों को थोड़ा अलग तरीके से देख सकते हैं।'

डिंग ने गुकेश को चौंकाकर पहला गेम जीता

नई दिल्ली : एक चैंपियन की पहचान क्या होती है? यह तब होता है जब आप भूल जाते हैं कि जीत का अहसास कैसा होता है और फिर भी आप अपने अंदर की ताकत को खोज पाते हैं। डिंग लिरेन ने 304 दिनों में कोई क्लासिकल गेम नहीं जीता था, जब वह सोमवार को गेम 1 के लिए सिंगापुर के रिसॉर्ट्स वर्ल्ड सेंटोसा में ध्वनिरोधी, मछलीघर जैसे खेल के मैदान में उतरे। उनके चैलेंजर – भारत के डी गुकेश – पहले से ही अपनी विशाल आकार की गेमिंग कुर्सी पर बोर्ड पर बैठे थे। उन्होंने हाथ मिलाया और चीनी खिलाड़ी अपनी नियमित आकार की, विनीत दिखने वाली एर्गोनोमिक कुर्सी पर बैठ गए। चीन के डिंग लिरेन (दाएं) और भारत के डी गुकेश) सोमवार को सिंगापुर में FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत के दौरान प्रतिस्पर्धा करते हुए। (एएफपी) चीन के डिंग लिरेन (दाएं) और भारत के डी गुकेश) सोमवार को सिंगापुर में FIDE विश्व शतरंज चैंपियनशिप की शुरुआत के दौरान प्रतिस्पर्धा करते हुए। (एएफपी) खिलाड़ियों ने आयोजकों द्वारा दिए गए सात विकल्पों में से अपनी कुर्सियाँ चुनी थीं। डिंग ने अपनी पसंद का पूरा फ़ायदा उठाया और करीब चार घंटे तक अपनी कुर्सी नहीं छोड़ी।

जब उन्होंने आखिरकार कुर्सी छोड़ी, तो यह 41वें मूव के बाद हुआ, जब जीत उनके हाथ में थी। समय पर नियंत्रण हो चुका था और गुकेश अकेले, उदास बैठे थे, उनका चेहरा उनके हाथों में छिपा हुआ था। उनके पास घड़ी में 30 मिनट बचे थे, लेकिन व्हाइट के लिए कोई और विचार या संसाधन नहीं थे। खेल हाथ से निकल चुका था। मौजूदा विश्व चैंपियन ने अपने किशोर प्रतिद्वंद्वी को शानदार तरीके से चोकहोल्ड में रखा, जिससे मैच की शुरुआत 1-0 की बढ़त के साथ हुई। गुकेश के खिलाफ़ ब्लैक के साथ डिंग की यह तीसरी क्लासिक जीत है। यह विश्वनाथन आनंद के 2010 विश्व चैम्पियनशिप के वेसलिन टोपालोव के खिलाफ़ मैच के बाद पहली बार है, जब गेम 1 में निर्णायक परिणाम देखने को मिला है। उस समय, आनंद भी गेम 1 में व्हाइट के साथ हार गए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने मैच जीत लिया। 'बेशक, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है - मैंने लंबे समय से एक भी क्लासिकल गेम नहीं जीता है,' डिंग ने मुस्कुराते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। 'चूंकि यह पहला गेम था, इसलिए मुझे लगा कि वह मैच की शुरुआत में नर्वस हो सकता है, इसलिए मैंने कुछ ऐसा असामान्य खेलने की कोशिश की जो मैंने लंबे समय से नहीं खेला था, और यह पूरी तरह से काम कर गया।' गुकेश ने किंग्स पॉन ओपनिंग को चुना और डिंग ने फ्रेंच डिफेंस का सामना किया। चीनी जीएम ने पिछले साल अपने मैच के दौरान इयान नेपोमनियाचची पर काउंटर-अटैकिंग फ्रेंच सरप्राइज दिया था, लेकिन वह गेम हार गए थे। गुकेश ने 6. Nce2 (Nf3 के बजाय) के साथ एक दुर्लभ नाइट रिट्रीट के लिए चुना, जिसे स्टीनिट्ज़ वेरिएशन के रूप में जाना जाता है, जिसका नाम पहले विश्व चैंपियन विल्हेम स्टीनिट्ज़ के नाम पर रखा गया था। गुकेश अपनी तैयारी में आश्वस्त दिखे, क्योंकि डिंग ने 7वें मूव से ही 27 मिनट तक विचार किया। गुकेश ने 10.g4 पर धमाकेदार प्रदर्शन किया और डिंग अपनी घड़ी में लगभग 50 मिनट पीछे रह गए, क्योंकि युवा भारतीय, अपनी जेबों में हाथ डाले, अपनी कुर्सी के पीछे चहलकदमी कर रहे थे। गुकेश ने अपनी घड़ी में 17वें मूव पर बिल्कुल स्वाभाविक Qe2 खेलने के लिए 30 मिनट से अधिक समय लिया। डिंग ने कई बेहतरीन चालें चलीं, खास तौर पर 18. Nb2, c3 पर मोहरे पर फायर की लाइन खोली और रानी को सक्रिय करने की तैयारी की - लगभग तुरंत ही रानी की तरफ काउंटरप्ले शुरू हो गया। गुकेश ने रानी के आदान-प्रदान से इनकार कर दिया और इसके बजाय अपनी रानी को e1 पर वापस कर दिया, जिसे इंजन ने तुरंत नापसंद किया। डिंग ने मिडिलगेम और अगले कुछ मूव में धमाल मचा दिया। उन्होंने स्पेस और टाइम दोनों में बढ़त हासिल की, क्योंकि व्हाइट की मोहरे की कमजोरियां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं। गुकेश अपनी घड़ी को जला रहा था और उसे 2 मिनट से कम समय में आठ चालें बनानी थीं। जल्द ही यह 7 चालों के लिए खतरनाक रूप से कम 45 सेकंड पर आ गया। भारतीय खिलाड़ी के पास शायद कुछ सामरिक क्षतिपूर्ति होती, अगर वह 30. Qc2 के बजाय 30. Bc5 खेलता। वह 40 चाल तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन उसकी स्थिति पूरी तरह से खो गई थी और खेल सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए खत्म हो गया था। वह दर्द में तड़पता हुआ बैठा रहा, जबकि डिंग खिलाड़ियों के लाउंज में पानी पी रहा था और स्नैक्स खा रहा था।

व्यापार

कृषि की अच्छी उपज से घटेगी खाद्य वस्तुओं की महंगाई, देशों के बीच तनाव से आपूर्ति श्रृंखला पर असर

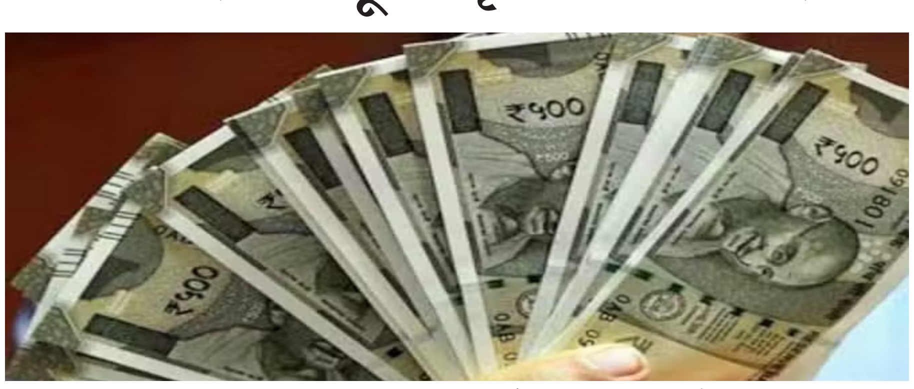

नई दिल्ली : वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून की अच्छी स्थिति, बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खेती में इस्तेमाल होने वाले माल की पर्याप्त आपूर्ति से कृषि को लाभ मिलेगा। सरकार के मुताबिक निर्यात सुधार में चुनौतियां अब भी बरकरार हैं। कृषि की बेहतर उपज से आने वाले महीनों में जरूरी वस्तुओं की खाद्य महंगाई में गिरावट आएगी। हालांकि, कई देशों के बीच तनाव से आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित भी हो सकती है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी अक्तूबर की रिपोर्ट में कहा, मानसून की अच्छी स्थिति, बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य और खेती में इस्तेमाल होने वाले माल की पर्याप्त आपूर्ति से कृषि को लाभ मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, बेहतर कृषि उपज की संभावनाओं ने चुनिंदा खाद्य वस्तुओं में मौजूदा मूल्य दबावों के बावजूद महंगाई के परिदृश्य को नरम बना दिया है। नवंबर के रुझानों और खरीफ की बंपर फसल से आने वाले महीनों में खाद्य महंगाई कम होगी। आर्थिक गतिविधियों के कई संकेतकों ने अक्तूबर में अच्छी वापसी दिखाई है। इसमें ग्रामीण और शहरी मांग प्रमुख है।

निर्यात सुधार में चुनौतियां अब भी बरकरार

रिपोर्ट के अनुसार, औपचारिक कार्यबल का विस्तार हो रहा है। विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियों में उल्लेखनीय वृद्धि और संगठित क्षेत्रों में युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

विकसित बाजारों में मांग में नरमी के कारण भारत के निर्यात सुधार को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सेवा क्षेत्र के व्यापार में अच्छी तेजी बनी हुई है। इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

मूडीज ने अदाणी समूह के सात कंपनियों की रेटिंग बदली, अमरिका में लगे हालिया आरोपों के बाद फैसला

नई दिल्ली : मूडीज के अनुसार हालिया घटनाक्रमों से अदाणी समूह के लिए वित्तपोषण प्राप्त करना कठिन हो सकता है और उधार लेने की लागत बढ़ सकती है। रेटिंग एजेंसी ने समूह के प्रशासन में संभावित कमजोरियों और इसके संचालन व भविष्य की खर्च योजनाओं से जुड़े संभावित प्रभाव के बारे में भी चिंता व्यक्त की है। इसके साथ ही समूह की कंपनियों की रेटिंग में भी बदलाव किया गया है। आइए इस बारे में जानें।

अमेरिकी अदालत में लगे हालिया आरोपों के बाद मूडीज रेटिंग्स ने अदाणी समूह की सात कंपनियों के लिए अपने दृष्टिकोण में बदलाव की घोषणा की है। मूडीज के अनुसार इन कंपनियों के लिए स्थिर दृष्टिकोण को बदलकर नकारात्मक में कर दिया गया है। मूडीज की तरफ से यह डाउनग्रेड अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के चेयरमैन गौतम अदाणी और समूह के प्रबंधन के वरिष्ठ सदस्यों से जुड़ी कानूनी परेशानियों के मद्देनजर किया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने उन पर आपराधिक मामला दर्ज किया है, जबकि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने समूह के खिलाफ दीवानी मामला दायर किया है। मूडीज ने कहा कि इन घटनाक्रमों से अदाणी समूह के लिए वित्तपोषण प्राप्त करना कठिन हो सकता है और उधार लेने की लागत बढ़ सकती है। रेटिंग एजेंसी ने समूह के प्रशासन में संभावित कमजोरियों और इसके संचालन व भविष्य की खर्च योजनाओं से जुड़े संभावित प्रभाव के बारे में भी चिंता व्यक्त की है। मूडीज के संशोधित दृष्टिकोण से प्रभावित होने वाली कम्पनियां निम्नलिखित हैं-

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड)
अदाणी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल
अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड
अदाणी ग्रीन एनर्जी की दो इकाइयां
अदाणी ट्रांसमिशन की दो इकाइयां

इन परिवर्तनों के बावजूद, मूडीज ने अदाणी ग्रीन एनर्जी पर Ba1 रेटिंग और अदाणी ट्रांसमिशन, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी, अदाणी पोर्ट्स और अदाणी इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल पर Baa3 रेटिंग रखने की पुष्टि की है। मूडीज ने कहा कि नकारात्मक दृष्टिकोण के कारण निकट भविष्य में रेटिंग अपग्रेड की संभावना नहीं है। हालांकि, एजेंसी ने सुझाव दिया कि यदि कानूनी कार्यवाही समूह की साख को बड़ा नुकसान पहुंचाए बिना हल हो जाती है, तो दृष्टिकोण स्थिर हो सकता है। फिच रेटिंग्स ने भी अदाणी समूह की कई संस्थाओं की रेटिंग पर नकारात्मक फैसला किया है। फिच ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई और अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के कुछ रुपए और डॉलर बॉन्ड को 'रेटिंग वॉच नेगेटिव' के तहत रखा है।

इसके अलावा, फिच ने अदाणी की इकाइयों की ओर से जारी किए गए चार वरिष्ठ असुरक्षित डॉलर बॉन्ड की रेटिंग को स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया है।

चिटफंड घोटाले में प्रयाग ग्रुप से जुड़ी संपत्तियों पर ईडी छापा

नई दिल्ली : प्रयाग ग्रुप का चिटफंड कारोबार पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में फैला हुआ था, जिसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल थे। आरोप है कि फर्म ने अवैध योजनाएं चलाकर जनता से 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई थी। अब ईडी ने कोलकाता स्थित कंपनी के ठिकानों पर छापेमारी की है। आइए इस बारे में जानें।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता में चिटफंड घोटाले की जांच के सिलसिले में प्रयाग समूह से जुड़े कई स्थानों पर मंगलवार सुबह छापेमारी शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, जिन स्थानों पर तलाशी ली गई उनमें प्रयाग समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी की न्यू अलीपुर स्थित एक आवासीय इमारत और उपनगरीय इकाले जोका स्थित एक गेस्ट हाउस शामिल हैं। उन्होंने बताया कि तलाशी लेने वाली ईडी टीमों के साथ केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की एक बड़ी टुकड़ी भी शामिल थी। प्रयाग ग्रुप का चिटफंड कारोबार पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में फैला हुआ था, जिसमें पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, असम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल थे। आरोप है कि फर्म ने अवैध योजनाएं चलाकर जनता से 1,900 करोड़ रुपये से अधिक की रकम जुटाई थी। 2017 में सीबीआई ने ओडिशा में दर्ज एक मामले के आधार पर प्रयाग ग्रुप के सीएमडी बासुदेव बागची और उनके बेटे अविक बागची को गिरफ्तार किया था।

सोना 4,230 रुपये और चांदी 10,240 रुपये गिरी

नई दिल्ली : शादी के सीजन के बीच आज भी सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आई है। फिलहाल 24 कैरेट सोना 1,630 रुपये के नीचे कारोबार कर रहा है और औसतन 75,451 वहीं चांदी की कीमत में आज 1345 रुपये की गिरावट आई है। चांदी आज 88100 रुपये पर खुली. यह टैरिफ आईबीए टैरिफ है और इसमें जीएसटी शामिल नहीं है। आपके शहर में 1,000 से 2,000 रुपये का अंतर हो सकता है. 30 अक्टूबर तक सोना 79,681 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 98,340 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इस रेट पर आज सोना 4,230 रुपये और चांदी 10,240 रुपये सस्ती है. फिलहाल 23 कैरेट सोना भी 1,623 रुपये सस्ता होकर 75,149 रुपये पर है। 22 कैरेट सोने की औसत कीमत 1,493 रुपये से 69,113 रुपये के बीच सस्ता है। 18 कैरेट सोना भी 1,223 रुपये गिरकर 56,588 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया. फिलहाल दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 78,713 रुपये प्रति 10 ग्राम है. सोमवार को यह 79,813 रुपये था. पिछले हफ्ते सोने की कीमत 76,493 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत आज 94,500 रुपये प्रति किलोग्राम और सोमवार को 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम थी. चेन्नई में आज सोने की कीमत 78,561 रुपये प्रति 10 ग्राम थी और सोमवार को यह 79,661 रुपये प्रति 10 ग्राम थी. पिछले हफ्ते यह 76,341 रुपये प्रति 10 ग्राम था. इस बीच, चेन्नई में आज चांदी की कीमत 103,100 रुपये प्रति किलोग्राम है। चांदी की कीमतें पिछले सप्ताह 101,600 रुपये प्रति किलोग्राम रहीं, जो कल 103,700 रुपये थीं।फिलहाल मुंबई में सोने की कीमत 78,567 रुपये प्रति 10 ग्राम है। सोमवार को सोने की कीमत 79,667 रुपये थी और पिछले हफ्ते सोने की कीमत 76,347 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। इस बीच, मुंबई में चांदी की कीमतें आज 93,800 रुपये प्रति किलोग्राम और सोमवार को 94,400 रुपये प्रति किलोग्राम थीं।

पिछले हफ्ते यह 91,800 रुपये प्रति किलो थी. कोलकाता में आज सोने की कीमत 78,565 रुपये प्रति 10 ग्राम थी और पिछले हफ्ते की कीमत 76,345 रुपये थी। कोलकाता में चांदी की कीमत आज 95,300 रुपये प्रति किलोग्राम रही, जो पिछले हफ्ते 93,300 रुपये प्रति किलोग्राम थी.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक- ब्रजेश शुक्ला c/o के. के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं.2 कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल-DAINANDINI@YAHOO.IN, MAIL2DAINANDINI@GMAIL.COM

धान मिंजाई के दौरान विद्युत लाइनों की सुरक्षा का रखें ध्यान

पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा किसान भाइयों से अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में प्राय: सभी स्थानों पर अब धान की फसल पक चुकी है तथा किसानों द्वारा धान की मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान खेत खलिहानों से गुजरने वाली लाइनों पर दुर्घटना की कुछ खबरों ने पॉवर कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया है। दुर्घटना के कारणों और निदान के संबंध में पॉवर कंपनी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें किसान भाइयों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

धान मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीनों से किया जाता है। इस दौरान खेत-खलिहानों से गुजरने वाली एलटी लाइनें, 11 केवी तथा 33 केवी लाइनों में जाकर मिंजाई के दौरान उड़ने वाला पैरा या भूसा, लाईनों में जा कर चिपक जाता है। प्रात: काल ओस के कारण पैरा या भूसा में नमी आती हैं तब लाइनों के तार आपस में सम्पर्क में आते है। जिससें निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार किसानों द्वारा धान मिंजाई के कार्य के उपरांत पैरा या भूसा का ढेर विद्युत लाइनों के नीचे रखने से भी पैरा या भूसा में आग लगने की संभावना लगातार बनी रहती है, जिससे जान-माल की हानि के अलावा लम्बा विद्युत व्यवधान होने की संभावना भी रहती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि इस समस्या से निदान पाने के लिए विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों तथा मैदानी अधिकारियों द्वारा किसानों से लाइनों के नीचे धान मिंजाई का कार्य नहीं करने हेतु आग्रह किया गया है। ऐसी सावधानी प्रदेश के सभी स्थानों पर बरती जानी चाहिये। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रायपुर ग्रामीण क्षेत्र कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा ने बताया कि रायपुर ग्रामीण, धमतरी, कुरूद, गरियाबंद, महासमुंद, सरायपाली, बलौदाबाजार के मैदानी अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा सचिवों से व्यक्तिगत संपर्क कर आग्रह किया गया है कि विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से बनाये। रखने हेतु लाइनों के नीचे धान मिंझाई का कार्य नहीं किया जाए। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक ग्राम में इसकी मुनादी कराई जाये। अधिकारियों द्वारा बनाये गए विभिन्न वितरण केन्द्रों के वाट्सअप ग्रुप में भी इस तथ्य को शेयर किया गया है। जिससे अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों तक भी यह संदेश पहुँचाया जा सकें तथा उनका अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जा सके।

1086 क्विंटल अवैध धान जब्त

बलरामपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू रूप से चालू है। किसानों को समितियों में धान बेचने के लिए किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना ना करना पड़े इसके लिए प्रशासन के द्वारा जिले के सभी 49 धान खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था की गई है।

अब किसान भी अपना धान बेचने के लिए मंडी में पहुंचने लगे हैं। खरीदी शुरू होने पर धान की बिचौलिए सक्रिय हो जाते है और अपना अवैध धान किसी भी तरह से खरीदी केन्द्रों में खपाने की कोशिश करते है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं भण्डारण रोकने के लिए भी पूर्ण व्यवस्था की गई है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में राजस्व एवं खाद्य व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा सतर्कता के साथ अवैध धान के भण्डारण एवं परिवहन पर पैनी नजर रखी जा रही है। साथ ही लगातार अवैध धान पकड़कर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही भी की जा रही है। संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न तहसीलों के अन्तर्गत नवम्बर माह मे अब तक 17 प्रकरणों में 2715 बोरी कुल 1086 क्विंटल अवैध धान वाहन सहित जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम बलंगी में 03 पिकअप वाहनों में 174 बोरी धान जब्त किया गया।

इसी प्रकार झापर पटेवा में पिकअप में 56 बोरी, बैकुण्ठपुर में पिकअप में 81 बोरी, धनवार बेरियर ट्रक में 730 बोरी, ग्राम रमेशपुर में 03 पिकअप में 168 बोरी तथा धनवार चेक पोस्ट में पिकअप में 20 बोरी वाहन सहित धान जब्त किया गया।

कबाड़ से बने आकर्षक जुगाड़ देखकर आशर्यचकित हुए आयुक्त

भिलाईनगर (दैनंदिनी)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत नगर को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसी तारतम्य में शासन के तरफ से कबाड़ से जुगाड़ बनाने का थीम दिया गया था। जिसके तहत घरो से निकलने वाले अनउपयोगी सामग्री से स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा आकर्षक डिजाईन युक्त सामग्री बनाकर लोगो को बेच रही है। जिसको देखकर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय भी आशर्य करने लगे। जो सामग्री हम सबके घरो में अनउपयोगी कबाड़ के रूप में फेंक देते है।

उसी सबके संकलन से निगम के गार्डनो में आकर्षक झुले, सोफा, कुर्सी, गमले, झुमर आदि बनाये गया है। जो लोगो के आकर्षन का केन्द्र बना हुआ है। बच्चे इसमें उपयोग करके ज्यादे आनंदित हो रहे है, एक छोटे प्रयास से अच्छा कार्य हो रहा है।

बलरामपुर हत्याकांड : त्रिलोकचंद श्रीवास के नेतृत्व में सर्वसेन समाज ने आरोपियों को फांसी और पीड़ित परिवार को एक करोड़ मुआवजा को लेकर सौंपा ज्ञापन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रांत सर्वसेन समाज के प्रांत अध्यक्ष श्री त्रिलोक चंद्र श्रीवास के नेतृत्व में आज पूरे प्रदेश में जिलाधीश के माध्यम से मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ को ज्ञापन सोपा गया, ज्ञापन में विगत दिनों बलरामपुर में हुए जघन्य तीहरे हत्याकांड के आरोपियों को फांसी देने, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रूपया मुआवजा देने, एवं शासकीय नौकरी प्रदान करने की मांग की गई है ,इस बारे में चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ प्रांत सर्वसेन समाज के प्रांत अध्यक्ष श्री त्रिलोक चंद्र श्रीवास ने कहा कि विगत दिनों बलरामपुर में सेन समाज के ही ठाकुर परिवार के तीन लोगों के जगन्ना हत्या कर दिया गया था, बाद में उनके नर कंकाल बरामद हुए ,जिस पर छत्तीसगढ़ प्रांत सर्वसेन समाज के तत्वाधान में पूरे प्रदेश में ज्ञापन सोपा गया था, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है ,अब पूरे प्रदेश के समाज सर्वसेन समाज के तत्वाधान में यह मांग सरकार से करते हैं कि पीड़ित परिवार को एक करोड़ रूपया मुआवजा राशि दिया जाए, तथा आश्रित परिवार में से एक व्यक्ति को शासकीय नौकरी तथा दोषी व्यक्तियों को फांसी की सजा दी जाए, उन्होंने मांगों को 10 दिवस के भीतर पूर्ण नहीं होने पर पूरे प्रदेश में आंदोलन करने की बात भी कही है ,,इस अवसर पर प्रदेश महासचिव श्री राजू श्रीवास् ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष श्री त्रिलोक चंद्र श्रीवास के आह्वान पर पूर्व में भी पूरे प्रदेश में ज्ञापन दिए गए थे जिसके आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी हुई एवं थाना प्रभारी को उक्त थाना से हटाया गया है, परंतु यह कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, संभाग अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास ने कहा कि प्रांत अध्यक्ष श्री त्रिलोक चंद श्रीवास के आह्वान पर पूरे प्रदेश में भविष्य में इस मांग पर जन आंदोलन किया जाएगा, इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्री मनोज श्रीवास श्री चंद्रमणि श्रीवास संभागीय सचिव, श्री दिलहरण श्रीवास नरेंद्र श्रीवास लोकेश श्रीवास मोहन श्रीवास रोशन श्रीवास नारायण श्रीवास राजेश श्रीवास दीपक कुमार लक्ष्मी श्रीवास शुभम श्रीवास नवीन श्रीवास दीपक श्रीवास प्रकाश श्रीवास मनोज श्रीवास अनिल श्रीवास सुनील श्रीवास घनश्याम श्रीवास, संतोष श्रीवास आशीष श्रीवास सुमित श्रीवास बसंत श्रीवास रामकुमार श्रीवास सोनू सहित सेन समाज के दर्जनों लोग उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर याद किए गए डॉ. भीमराव अंबेडकर

गौरेला (दैनंदिनी)। जीपीएम भाजपा जिला कार्यालय में संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जीपीएम जिला कार्यालय में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर सभी श्रद्धांजिल अर्पित की! इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह राठौर ने संविधान दिवस पर विस्तार से जानकारी दी! कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राकेश चतुर्वेदी और आभार महामंत्री लालजी यादव ने व्यक्त किया! इस अवसर पर बृजलाल सिंह राठौर, मुकेश दुबे, द्वारिका सोनी, राजा उपेंद्र सिंह, तापस शर्मा, संतोष तिवारी, राजकुमार रोहणी, रमेश तिवारी, दिलीप यादव, कुलदीप सिंह धीरज, जीवन राठौर, मनीष श्रीवास, सचिन जैन, विष्णु चौरसिया, सिद्धार्थ दुबे, पंकज श्रीवास्तव, अजय तिवारी, दीपक शर्मा, कामता यादव, मानस अग्रवाल, आदित्य गुप्ता, भागीरथी काशीपुरी, घनश्याम राठौर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे!

संविधान दिवस पर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों ने शपथ ली

भिलाईनगर। भारत के संविधान को अंगीकृत 26 नवम्बर 1949 को लागू किया गया था, हमारा संविधान आज 75 वर्ष पूर्ण कर चुका है। संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा एवं श्रद्धा रखते हुए आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निगम सभागार में सुबह 10 बजे संविधान दिवस की शपथ दिलाई। आयुक्त ने कहा हमारे देश का कानून, विधान, कार्यपालिका, न्यायपालिका सब संविधान में दिये गये उपबन्धो के अनुरूप संचालित होता है। हम सबको अपने संविधान के प्रति प्रेम एवं सम्मान है, हमे गर्व है अपने संविधान के उपर। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लोकतांत्रिक प्रणाली हमारे संविधान के अनुरूप ही संचालित होता है। आज 26 नवम्बर को पुरा देश संविधान दिवस मना रहा है। नगर निगम भिलाई के सभी जोन कार्यालय में भी जोन आयुक्त द्वारा अधिकारियों कर्मचारियों को संविधान दिवस का शपथ दिलाया गया। शपथ ग्रहण के दौरान अधीक्षण अभियंता डी.के.वर्मा, कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, स्वच्छता ब्रान्ड अम्बेसडर अमिताभ भट्टाचार्या, प्रोग्रामर दिप्ती साहू, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह, स्थापना अधीक्षक बसंत देवांगन,

सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, लेखाधिकारी चंद्रकांत साहू, स्टेनो पुरूषोत्तम साहू, आवास प्रभारी विद्ययाधर देवांगन, भैय्यालाल असाटी, गैदराम सिन्हा सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

4 सूत्रीय मांग को लेकर प्लेसमेंट कर्मचारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

किरन्दुल। नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के बैनर तले 4 सूत्रीय मांग को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर बैठे हुए हैं।हड़ताल के आठवें दिवस मंगलवार सुबह 10:30 बजे प्लेसमेंट कर्मचारियों ने किरंदुल नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष मृणाल रॉय को ज्ञापन सौंपा।नगरपालिका अध्यक्ष ने भी मांगों को पूर्ण करने हेतु परिषद का समर्थन प्रदान कर शासन को कर्मचारियों की मांग पूर्ण करने हेतु अपना समर्थन दिया।

संविधान दिवस, अधिकारी-कर्मचारियों ने किया प्रस्तावना का वाचन

बालोद। संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय बालोद के अधिकारी-कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया। इस अवसर पर जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री चंद्रेश ठाकुर ने कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इस दौरान जिला समन्वयक सोशल मीडिया तनवीर खान, राजेन्द्र कुंजाम सहित सुश्री रूबीना खान, घनश्याम चन्द्राकर, हुलेश रजक उपस्थित थे।

बदलते मौसम में भी श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 और 303 गेहूं बीज से मिल रहे किसानों को सबसे बेहतर परिणाम

छत्तीसगढ़ में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 और श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीज उल्लेखनीय परिवर्तन लाए हैं। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 और श्रीराम सुपर 303, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभरी नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों से मिलने वाले परिणाम श्रेष्ठ हैं। अधिक तापमान और बीमारियों के प्रति सहनशीलता, कल्लों की अधिक संख्या, बड़े-सुनहरे दाने, उपयुक्त फसल की ऊंचाई और गिरने की समस्या कम होने के कारण ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं।

दुर्ग के एक किसान, बिशन वर्मा का कहना है कि श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 में कई विशेषताएं देखने को मिलीं, जैसे कल्लों की अधिक संख्या, वजनदार लंबी बालियां, 75-80 दाने प्रति बाली और अधिक उपज क्षमता (17-18 क्विंटल प्रति एकड़)। पौधे की उपयुक्त ऊंचाई होने की वजह से इसमें गिरने की शिकायत नहीं आती है। इस साल मार्च महीने में अचानक अधिक तापमान होने के बावजूद अधिक उत्पादकता और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल को देखकर वे बेहद प्रसन्न हैं और इस वर्ष भी श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 गेहूं बीज की ही बुवाई करेंगे।

छत्तीसगढ़ के अन्य किसान ने श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीज बोए, परिणाम के रूप में वे भी इसी तरह की सफलता पा रहे हैं। रायगढ़ के देव कुमार पटेल ने पिछले साल श्रीराम सुपर 303 गेहूं बीज की बुवाई की थी। उनका कहना है कि इसमें कल्लों की संख्या अधिक है और तना मजबूत है, जिससे इसमें गिरने की शिकायत नहीं आती, और बालियां लंबी और मोटे दानों से भरी होती हैं। अन्य किस्म की तुलना में श्रीराम सुपर 303 गेहूं से उन्हें 4-5 क्विंटल प्रति एकड़ अतिरिक्त उपज प्राप्त हुई। इसके माध्यम से उन्हें लगभग 10,000 रूपए प्रति एकड़ का अतिरिक्त मुनाफा प्राप्त हुआ। आने वाले समय में देव अपनी पूरी जमीन पर श्रीराम सुपर गेहूं बीज ही लगाएंगे।

श्रीराम सुपर 1 एसआर 14 और 303 बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स की अन्य किस्में, जैसे श्रीराम सुपर 5 एसआर 05, आदि भी अपनी शानदार परफॉर्मेंस के चलते छत्तीसगढ़ के किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गई हैं।

श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स

श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स 134 वर्ष पुरानी डीसीएम श्रीराम लिमिटेड का एक हिस्सा है। यह एक अग्रणी बिजनेस ग्रुप है, जिसका टर्नओवर 11431 करोड़ रुए है। श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स कृषि इनपुट्स जैसे बीज, विशेष पोषण और फसल संरक्षण के कारोबार में सक्रिय है, जिससे भारतीय कृषि को मजबूत और किसानों की आय को बढ़ाने में सहायता मिल रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग राजनांदगांव (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

निविदा विज्ञप्ति क्र. 7466 /15/ नि.वि./ लोनिवि/2024-2025 **दिनांक 25/11/2024**

छत्तीसगढ़ राज्य में बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किये गये ई श्रेणी पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र AE में प्रतिशत दर पर ब्लाक स्तर पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 17/12/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 30/12/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि : 31/12/2024 अपरान्ह 11.30 बजे

क्रमांक.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानती राशि
01	02	03	04
सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग का निर्माण (विकासखंड- राजनांदगांव)			
1	ग्राम मगरलोटा से आंगनबाड़ी तक 130 मीटर	8.71	6600.00
2	ग्राम बुचीभरदा अरला में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तक 115 मीटर	7.10	5500.00
3	ग्राम सिंघोला में पशु चिकित्सालय भवन तक 200 मीटर	11.69	8800.00
4	ग्राम आलीखुटा (रानीतराई) में श्मशान घाट तक 200 मीटर	11.69	8800.00
5	ग्राम रवेली में श्मशान घाट तक 100 मीटर	7.05	5300.00
6	ग्राम भोथीपार में श्मशान घाट तक 100 मीटर	7.05	5300.00
7	ग्राम कुसमी पारीखुर्द में औद्योगिक क्षेत्र तक 100 मीटर	7.05	5300.00
8	ग्राम पंचायत पारीखुर्द में आवास पारा से गौठान तक लंबाई 300 मीटर	18.99	14300.00
9	मुख्य मार्ग से आवास पारा से शासकीय माध्यमिक शाला पारीखुर्द पहुंच मार्ग लंबाई 250 मीटर	15.95	12000.00
10	ग्राम पंचायत पारीखुर्द में आवासपारा से शासकीय प्राथमिक शाला कुसमी लंबाई 300 मीटर	18.99	14300.00

निविदा समय-सारणी एवं आवश्यक निर्देश :- आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है। (1) ई-पंजीयन की छायाप्रति (2) निवास प्रमाण-पत्र (3) जी.एस.टी. प्रमाण-पत्र चुक्ता प्रमाण (4) पेन कार्ड (5) अन्य जानकारी कार्यालीयन अवधि में देखा जा सकता है।

जी-242504084/1

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (न/स) संभाग
राजनांदगांव (छ.ग.)

समाचार संक्षेप

सांसद बृजमोहन ने दी विधान दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संविधान दिवस पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर उन्होंने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भाग लिया और भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,

आज भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण हो गए गए, वर्ष 2015 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 26 नवंबर को पूरे देश में संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू की गई। हमारे संविधान निर्माताओं ने बहुत सोच-समझकर ऐसा संविधान तैयार किया, जिसमें देश की प्रगति, आमजन के सशक्तिकरण, महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों के उत्थान के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। यदि हम सभी संविधान की मूल भावना को आत्मसात कर लें, तो हमारा देश पुन: सोने की चिड़िया और विश्वगुरु बन सकता है। उन्होंने संविधान पर मंडराते खतरों की ओर भी इशारा करते हुए 1975 में लगाए गए आपातकाल का जिक्र किया। अग्रवाल ने कहा, आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने संविधान की मूल भावना को तोड़ने का प्रयास किया, जो एक काला अध्याय है। अग्रवाल ने संविधान के आदर्शों के प्रति देशवासियों की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि यह दिन हमें हमारे अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। संविधान दिवस हमें भारतीय लोकतंत्र के प्रति समर्पण और राष्ट्र के विकास में भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

चार आईपीएस अफसरों का हुआ तबादला

रायपुर। राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 4 अधिकारियों का तबादला किया है, जिसमें राजेश अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंह छवई, मयंक गुर्जर और पूजा कुमार को इधर से उधर किया गया है। इन तबादलों में कबीरधाम और बीजापुर जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी बदल दिया गया है. इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक, राजेश अग्रवाल (2012 बैच) को सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर, धर्मेन्द्र सिंह छवई (2012 बैच) को पुलिस अधीक्षक कबीरधाम, मयंक गुर्जर (2020 बैच) को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बीजापुर और पूजा कुमार (2020 बैच) को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राज्य में अब तक हुई 8.95 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में धान खरीदी का सिलसिला अनवरत जारी है। 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी अभियान में अब तक 8.95 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 1.91 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 1575 करोड़ 16 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफवर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। अधिकारियों ने बताया कि 25 नवम्बर को 47296 किसानों से 2.17 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसके लिए 51170 टोकन जारी किए गए थे।

निर्वाचन आयुक्त ने की निकाय चुनाव की तैयारी की समीक्षा

रायपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता मे बिलासपुर कलेक्टोरेट के मंथन सभाकक्ष मे स्थानीय निकायों के निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में बिलासपुर और सरगुजा संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

रायपुर

आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारियों卐 पर यूनिसेफ के तत्वाधान में 25 व 26 नवम्बर को दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण का रायपुर में आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के दौरान सभी जिलों के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक, अस्पताल सलाहकार व स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रक्षिक्षण के दौरान आपदा प्रबंधन की बुनियादी अवधारणाएं, अस्पताल तैयारियों की वर्तमान स्थिति, अस्पताल सुरक्षा ऑडिट चेकलिस्ट जैसे विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया । उल्लेखनीय है कि प्रशिक्षण के दौरान आपात स्थिति में स्वास्थ्य कर्मी/ विशेषज्ञों को कैसे तत्पर रहना चाहिए इस विषय पर बल दिया गया साथ ही मॉकड्रिल, आपातकाल में बचाव की प्रविधि व लाइव डेमोंस्ट्रेशन

के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया । राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न होने के उपरांत प्रदेश के सभी 5 संभागों में भी हेल्थ सिस्टम इमरजेंसी प्रीपेयेर्डनेस प्रशिक्षण आयोजित किया जाना है, जिससे कि अधिक से अधिक स्वास्थ्य कर्मी आपात परिस्थिति से निपटने में सक्षम हो सकें । मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन विजय दयाराम के. ने बताया कि 卐 [illegible] 卐 प्रशिक्षण प्रदेश में आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी व सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में किया गया बेहतर प्रयास है । जिसके माध्यम से स्वास्थ्य संस्थाओं में आपातकालीन परिस्थिति के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया व प्रतिक्रिया समय को कम करने के साथ लोगों को बचाव की स्थिति हेतु तैयार करने के साथ प्रशिक्षित किया जाता है । बैठक के दौरान उप संचालक, आपदा प्रबंधन डॉ निधि ग्वालरे, स्वास्थ्य विशेषज्ञ यूनिसेफ डॉ गजेंद्र सिंह के साथ विभागीय अधिकारी कमर्चारीगण उपस्थित रहे ।

नशीली दवाओं के विक्रय करने वालों पर होगी कठोर वैधानिक कार्यवाहीः गृहमंत्री

रायपुर

गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा है कि प्रदेश में नशीली दवाओं के सेवन एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण हो यह सुनिश्चित किया जाए। श्री शर्मा आज

यहां मंत्रालय महानदी भवन में प्रदेश में नशीली दवाओं के विक्रय एवं सेवन पर वैधानिक कार्यवाही करने और नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए गृह विभाग और स्वास्थ्य विभाग की एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मौजूद थे। गृह मंत्री ने प्रदेश में नशीली दवाओं के अवैधानिक वितरण की रोकथाम के लिए अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। श्री शर्मा ने पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा है, कि नशीली दवाओं के नियंत्रण के लिए मेडिकल दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण करें तथा ऐसे मेडिकल शॉप जो वैधानिक नशीली दवाओं के कारोबार में संलग्न हैं। उन पर त्वरित कठोर कार्रवाही करें। ऐसे दुकानदारों पर एफआईआर करें तथा गिरफ्तारी की भी कार्यवाही भी करना सुनिश्चित करें। गृह मंत्री ने नशीली दवाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों का सहयोग लेने की भी बात कही। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नियंत्रक खाद्य एवं औषधि को पुलिस अधिकारियों से समन्वय कर ड्रग इंस्पेक्टर की टीम बनाकर लगातार मेडिकल शॉपों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुवा, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रीमती निहारिका बारीक, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. प्रियंका शुक्ला, विशेष सचिव वित्त एवं सामान्य प्रशासन तथा नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन श्री चंदन कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

रमेन डेका ने किया अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण

रायपुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने नई दिल्ली के भारत मण्डपम में आयोजित 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ पवेलियन का भ्रमण कर प्रदर्शित वस्तुओं और उत्पादों की जानकारी ली। राज्यपाल ने पवेलियन में उपस्थित शिल्पकारों और उद्यमियों से बातचीत की एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने कहा कि व्यापार मेला छत्तीसगढ़ की पहचान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का एक बेहतरीन मंच है। उन्होंने राज्य की कला और स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति

और विकास की झलक इस पवेलियन में देखने को मिलती है।छत्तीसगढ़ पवेलियन में राज्य की सांस्कृतिक विरासत, हस्तशिल्प, और औद्योगिक विकास को प्रदर्शित किया गया है। छत्तीसगढ़ के शिल्पकार एवं कलाकारों द्वारा बेलमेटल शिल्प, कोसा सिल्क व जैविक उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। पवेलियन में राज्य की नई औद्योगिक योजनाओं और निवेश की संभावनाओं को भी यहां दिखाया गया।

हसदेव नदी-जंगल बचाओ पदयात्रा की शुरुआत में रायपुर से डॉ. सत्यजीत साहू एवं डॉ. उदयभान हुए शामिल

रायपुर। हसदेव नदी-जंगल बचाओ पदयात्रा 24 नवंबर को नेहरू चौक बिलासपुर से प्रारंभ हुई। हसदेव बचाओ के नारों के साथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए पाली तानाखार से विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, जाने माने राजनीतिक व्यक्तित्व नंद कश्यप, शिवा मिश्रा उपस्थित थे। पूर्व विधायक शैलेश पांडेय ने पदयात्रा के साथ दयालबंद तक चलकर अपना समर्थन व्यक्त किया। पदयात्रा आज प्रथम दिन नेहरु चौक से प्रारंभ होकर शहर के मध्य सदर बाजार गोल बाजार गांधी चौक दयालबंद मोपका होते हुए जयरामनगर तक शाम 7 बजे पहुंची। आज पदयात्रा में रायगढ़ से राधेश्याम शर्मा, रायपुर से डॉक्टर सत्यजीत साहू, डॉक्टर उदयभान सिंह चौहान, प्रयोग आश्रम तिल्दा से सीताराम सोनवानी, जन स्वास्थ्य सहयोग गनियारी से मती सुरभी, यदुनंदन नगर तिफरा से अजय मिश्रा और सुरज दुबे तथा प्रियंका उपाध्याय ने भागीदारी कर समर्थन दिया। मोपका चौक पर पार्षद सु संध्या तिवारी, पार्षद लाला और महिमा मिश्र ने अनेक नागरिकों के साथ पदयात्रियों का फूल व फूलमालाओं से स्वागत किया।

राजभवन सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का किया वाचन

रायपुर.संविधान दिवस के अवसर पर राजभवन सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को हमारे संविधान को अंगीकृत किया गया था। इस वर्ष भारत के संविधान को अंगीकार करने के 75 वर्ष पूर्ण हो गये हैं। राज्यपाल के विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय, अवर सचिव सुश्री अर्चना पाण्डेय, नियंत्रक श्री संजय विश्वकर्मा सहित सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया।

पुलिस ने सरेआम गुंडई करने वालों का निकाला जुलूस

रायपुर

रायपुर में सरेआम मारपीट और गुंडई करने वालों का पुलिस ने जुलूस निकाला है। आरोपियों के बीच इलेक्ट्रिक ऑटो के किराए को लेकर विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि, पहले पक्ष के युवक से मारपीट होने के बाद उसने अपने दोस्तों को बुला लिया। फिर उन्होंने बांस-डंडे से दूसरे पक्ष के युवकों को दौड़ाकर शो-रूम के भीतर घुसकर पीट दिया। पुलिस ने दो थानों में रिपोर्ट दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी लखन पटले ने बताया कि, रविवार शाम को तेलीबाधा थाना क्षेत्र के श्याम नगर में मारपीट की घटना हुई थी। जिसमें दिलप्रीत सिंह नाम के व्यक्ति को संतोष यादव और अन्नू

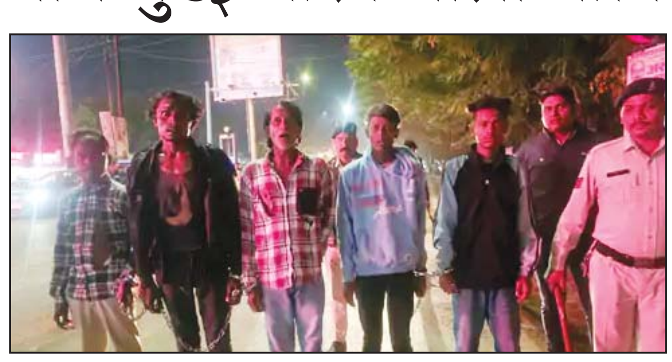

यादव ने शराब के नशे में ऑटो से लोहे का रॉड निकालकर मारपीट की थी। इनके बीच इलेक्ट्रिक ऑटो के किराए को लेकर विवाद था। जिससे बाद दिलप्रीत ने अपने दोस्तों को बुला लिया। इसके बाद दिलप्रीत के दोस्तों ने संतोष यादव और उसके भाई अन्नू को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इस मारपीट का एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में दिख रहा है कि, चार-पांच लड़कों ने एक युवक का पीछा कर उसे घेर लिया। सभी के हाथ में बांस के डंडे और ईंट थे। वे लगातार युवक पर वार करने की कोशिश कर रहे थे। उनके बीच गाली-गलौज होने पर शोरूम के अंदर मौजूद स्टाफ भी बाहर आ गया। इसी बीच आरोपियों ने युवकों के सिर पर ईंट फेंककर हमला कर दिया था। इस दौरान कुछ देर तक मारपीट करने के बाद युवक जान बचाने के लिए शोरूम में घुस गया। आरोपी भी शोरूम में घुस गए। उन्होंने शोरूम के अंदर भी युवक की लाठी-डंडों से पिटाई की। शोरूम के अंदर महिलाएं और बुजुर्ग भी मौजूद थे, जो इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने आए थे। जब उन्होंने यह नजारा देखा तो वे डर गए और अंदर की ओर भागे। कुछ देर बाद स्टाफ ने बीच-बचाव कर मारपीट को शांत कराया था। इस मामले में पुलिस ने पहली स्नद्धक्र तेलीबांधा थाने में दर्ज की। जिसमें संतोष यादव और अन्नू यादव निवासी तेलीबांधा के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया। दूसरी फिर राजेंद्र नगर थाने में दर्ज की गई।

राज्य में अपराधी हो चुके बेलगाम : दीपक बैज

रायपुर। पुलिस के द्वारा राजधानी में अपराध के आंकड़े कम होने का दावा खारिज करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति बेलगाम हो चुकी है। अपराधों पर अंकुश लगाने के बजाय पुलिस अपनी पीठ थपथपा रही है। नागरिक रोज चाकुओं से गोदे जा रहे, गोलियां चल रही, बस स्टैण्ड में महिला के साथ बलात्कार हो रहा, सिपाही की प्रताड़ना से आम आदमी आत्महत्या कर रहा, सूखे नशा करके अपराधी राह चलते चाकू मार रहे, पुलिस आंकड़ों का खेल खेल रही है। पुलिस के आंकड़े डरे सहमे शहरी के जले पर नमक छिड़कने वाले है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के राज में अपराधी बेलगाम हो गये है। आम आदमी अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहा है। रायपुर शहर में नवंबर माह में 23 से अधिक हत्याएं हुई है। प्रदेश का हर नागरिक डरा हुआ है। महिलायें असुरक्षित है। बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की घटनाएं बढ़ गयी है। एक ही दिन में राजधानी के विधानसभा के पास आमासिवनी में शराब दुकान के सामने दो-दो हत्याये हुई, पुरानी बस्ती थाने के चंद कदमों की दूरी पर पेट्रोल डालकर एक युवक को जिंदा जला दिया गया, तेलीबांधा में गवाह को धमकाने अपराधियों ने हमला कर दिया, दिनदहाड़े गोलियां चल रही है, गैंगवार हो रहे हैं। दीवाली के दिन ही राजधानी रायपुर में 9 हत्या हुई, दुर्ग में 4 हत्यायें हुई। रायपुर में रोज हत्याएं हो रही है लेकिन यह सरकार आपराधिक घटनाअें को रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है। राजधानी में 11 माह में 5 गोली कांड हुआ, अंतरराज्यीय गैंगस्टर रायपुर तक पहुंच गये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सबसे संवेदनशील और सुरक्षित माने जाने वाले रायपुर के सेन्ट्रल जेल परिसर के सामने एक व्यक्ति को गोली मार दी गयी। गृहमंत्री के जिले से बेलगाम हुआ अपराध मुख्यमंत्री के गृह ग्राम तक पहुंच गया।

राजधानी रायपुर में चला हत्याओं का गोलीबारी का खौफ्नाक मंजर पूरे प्रदेश में फैल चुका है। आम आदमी अपने आपको भयभीत महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर अपराध का गढ़ बन गया है। सरकार की लापरवाही और पुलिस की नाकामी का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ में कोई भी सुरक्षित नहीं है।

डिप्टी सीएम साव ने लॉन्च किया नगरीय प्रशासन विभाग का पोर्टल

रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के नए विभागीय पोर्टल 222.[illegible] को लॉन्च किया। उन्होंने पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि इससे शहरी प्रशासन और विकास के कार्यों को ज्यादा पारदर्शी बनाने, निर्माण कार्यों के प्रभावी व त्वरित मॉनिटरिंग तथा उनकी प्रगति की समीक्षा में सहूलियत होगी। यह पोर्टल प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडिया' और 2047 तक विकसित भारत के विजन की दिशा में बड़ा कदम है। इससे हम पेपरलेस प्रशासन और डिजिटल सशक्तिकरण की ओर तेजी से आगे बढ़ेंगे। विभाग द्वारा इस पोर्टल को विशेष रूप से नगरीय निकायों में संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं व कार्यों की समीक्षा एवं मॉनिटरिंग के लिए विकसित किया गया है।

यह पोर्टल निकायों के कार्यों की निगरानी को सरल और प्रभावी बनाएगा। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि योजनाओं का पूरा लाभ नागरिकों तक पहुंचे।

यह पोर्टल डिजिटल इंडिया का दायरा बढ़ाने के साथ ही विभाग को आधुनिक कार्यप्रणाली से जोड़ता है। इस पोर्टल के उपयोग से न केवल विभाग की दक्षता बढ़ेगी, बल्कि कार्यों की त्वरित मॉनिटरिंग में भी हो सकेगी। पोर्टल की लॉन्चिंग के दौरान मुंगेली के कलेक्टर राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और नागरिक मौजूद थे।

पोर्टल से इन कार्यों में मिलेगी मदद

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के नए शुरू हुए पोर्टल से विभागीय प्रक्रियाएं डिजिटल और पेपरलेस होंगी, जिससे संसाधनों और समय की बचत होगी। इससे विभाग और नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी होगी।

इस पोर्टल के माध्यम से अधोसंरचना मद और 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की मॉनिटरिंग एवं निकायों को जारी राशि की समीक्षा की जाएगी। इससे कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने में सहायता मिलेगी जिसका लाभ निकायों के रहवासियों को मिलेगा।

पोर्टल से विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के साथ ही निकायों के आय-व्यय, संपत्ति कर और अन्य करों की वसूली की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके माध्यम से विभाग के न्यायालयीन प्रकरणों और उनके समाधान की प्रगति की ट्रैकिंग भी की जाएगी।

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com